शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 149 | गुवाहाटी | सोमवार, 25 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना मोदी सरकार का लक्ष्य : अमित शाह पेज 2
इंडी गठबंधन का अस्तित्व डिमा हसाओ में ही खत्म हो जाएगा : भाजपा पेज 3
राजस्थान में डबल इंजन सरकार बनी, अब योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को... पेज 5
धोनी आईपीएल सत्र तक पूरी तरह फिट होंगे : विश्वनाथन पेज 7

पुलिस फायरिंग में संदिग्ध अल्फा समेत तीन घायल

तिनसुकिया। असम में उग्रवादी संगठन अल्फा (आई) का एक संदिग्ध सदस्य और इस प्रतिबंधित संगठन में कथित तौर पर शामिल होने जा रहे तीन युवक हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई की दो अलग-अलग घटनाओं में घायल हो गए। असम पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शिवसागर जिले में एक संदिग्ध ग्रेनेड धमाके में कथित तौर पर शामिल उग्रवादी गेलेकी के पास रविवार सुबह घायल हो गया जबकि अन्य तीन शनिवार रात तिनसुकिया जिले में गोलीबारी में घायल हो गए थे। शिवसागर पुलिस ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार आरोपी जिले के जॉयसागर इलाके में स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर के पास नौ दिसंबर को हुए ग्रेनेड धमाके की घटना में *सीधे तौर पर शामिल* पाया गया था। पुलिस ने पहले विस्फोट की घटना की पुष्टि करने से परहेज किया था लेकिन पिछले सप्ताह इस संबंध में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था जिनमें रविवार को घायल हुआ संदिग्ध शामिल नहीं था। बयान में कहा गया कि आरोपी 2019 के अंत में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) में शामिल हुआ था और म्यांमार स्थित उग्रवादी संगठन के शिविर में करीब एक महीना बिताने के बाद वह असम लौटा था। म्यांमार से लौटने पर उसे असम राइफल्स ने गिरफ्तार कर लिया था और वह लगभग चार महीने -शेष पृष्ठ दो पर

परेश बरुआ के लौटने पर सभी मुद्दों का किया जाएगा समाधान : मुख्यमंत्री

मोरिगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज ऊपरी असम में अल्फा (स्वा.) से संबंधित ताजा मुठभेड़ों की दो घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अल्फा (स्वा.) कमांडर-इन-चीफ परेश बरुआ के लौटने पर सभी मुद्दों का समाधान किया जाएगा। आज जगीरोड में मीडिया से बात करते हुए, सीएम शर्मा ने कहा कि जब तक परेश बरुआ मुख्यधारा में नहीं लौटते और शांति प्रक्रिया में शामिल नहीं हो जाते, तब तक लोगों के अल्फा (स्वा.) में शामिल होने या पुलिस द्वारा मुठभेड़ करने की घटनाएं होती रहेंगी। सीएम शर्मा ने आगे कहा कि ऐसा नहीं है कि कोई जाएगा और संगठन में शामिल होगा और फिर वापस आ जाएगा। अगर ऐसे लोग पाए जाते हैं तो पुलिस कार्रवाई कर सकती है। मैं उस पर टिप्पणी नहीं करूंगा। बात यह है कि एक बार परेश बरुआ मुख्यधारा में लौट आएंगे, तो सभी मुद्दे खत्म हो जाएंगे। वह जब तक वह वापस नहीं आते तब तक ये मुद्दे बने रहेंगे। यह बात हर कोई जानता है। असम के मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी तिनसुकिया और शिवसागर जिलों में अल्फा (स्वा.) से संबंधित दो मुठभेड़ों के बाद आई है। मालूम हो कि शिवसागर के गेलेकी में अल्फा (स्वा.) के लिंकमैन होने के संदेह में पुलिस ने एक युवक पर गोलियां चला दीं। इससे पहले, तिनसुकिया के सादिया में पुलिस गोलीबारी की घटना सामने आई थी, जहां 24 दिसंबर को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन अल्फा (स्वा.) में शामिल होने के प्रयास के संदेह में पुलिस की गोलीबारी में तीन युवक घायल हो गए थे। तिनसुकिया जिले में मुठभेड़ की प्रामाणिकता पर उठ रहे सवालों पर टिप्पणी करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि अगर अल्फा कहता है कि मुठभेड़ फर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने जगीरोड में पांच परियोजनाओं का किया उद्घाटन

मोरीगांव (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को मोरीगांव जिले के जगीरोड का दौरा किया, इस दौरान उन्होंने 114.17 करोड़. की लागत वाली कुल मिलाकर पांच परियोजनाओं का उद्घाटन किया। वहीं 85.96 करोड़ की लागत से बने रेलवे ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया। 9.50 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित लोक निर्माण विभाग के नवनिर्मित बंगले का निरीक्षण किया। साथ ही 7.20 करोड़ रुपए की लागत से खेल संघ का 750 -शेष पृष्ठ दो पर

रूम हीटर बना काल एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत

जयपुर। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले में एक मकान के कमरे में हीटर से लगी आग के कारण एक व्यक्ति और उसकी तीन महीने की बेटी की आग में जिंदा झुलसकर मौत हो गई और घटना में उसकी पत्नी घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात शेखपुर थाना क्षेत्र की है। उन्होंने बताया कि हीटर से रजाई में आग लग गई और दीपक यादव और उनकी तीन माह की बेटी निशिका जिंदा झुलसकर मारे गए। हादसे में दीपक की -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : तलाशी अभियान में गोला-बारूद के भंडार मिले

इंफाल। असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त तलाशी अभियान में बड़ी हिंसा की साजिश का भंडाफोड़ किया है। नोनी जिले के कोबुरु रिज में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। इनपुट के आधार पर असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने बीते दिन एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसमें ये भंडाफोड़ हुआ। 6 दिसंबर को भी असम राइफल्स ने सीमा सुरक्षा बल, भारतीय रिजर्व बटालियन और चुराचांदपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान में चुराचांदपुर जिले के डी हाओलेनजांग गांव के बाहरी इलाके में हथियार -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

तेलंगाना में बिना लाइसेंस वाली दवा निर्माण फैक्ट्री में छापेमारी, स्टॉक जब्त

हैदराबाद। औषधि नियंत्रण प्रशासन विभाग, तेलंगाना ने खम्मम जिले में बिना लाइसेंस वाली दवा निर्माण सुविधा का भंडाफोड़ किया। बता दें कि दवा निर्माण फैक्ट्री खम्मम जिले के तल्लाडा मंडल के अन्नारुगुडेम गांव में स्थित है, जहां पर विश्वसनीय सूचना के आधार पर अधिकारियों की एक टीम ने छापेमारी की। बकौल रिपोर्ट, दवा निर्माण फैक्ट्री एस्पेन बायोफार्मा की है। डीसीए अधिकारियों ने दवाओं के अवैध निर्माण का पता लगाया। परिसर में सक्रिय फार्मास्युटिकल अवयव वाल्सार्टन -शेष पृष्ठ दो पर

नगांव, करीमगंज, धुबड़ी भाजपा के लिए मुश्किल सीटें : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने नगांव, करीमगंज और धुबड़ी की लोकसभा सीटों को भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण बताया और स्वीकार किया कि उन सीटों पर कोई सार्थक प्रगति हासिल करने के लिए एक बड़े प्रयास की आवश्यकता है। सीएम शर्मा ने नगांव सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों के बीच मचे घमासान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हालांकि पार्टी के भीतर प्रतिस्पर्धा है, लेकिन नगांव कांग्रेस के लिए एक उत्कृष्ट सीट है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि अभी भी और काम किया जाना बाकी है, उन्होंने स्वीकार किया कि करीमगंज और धुबड़ी सीटों के साथ-साथ नगांव लोकसभा क्षेत्र भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं। असम के मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी यह जानने के बाद की कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई, प्रद्युत बरदलै और रकीबुल हुसैन कथित तौर पर नगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि जाहिर है, वह लोग अच्छी स्थिति में और भी प्रतिस्पर्धी होंगे। हमारे लिए, नगांव सबसे अच्छी सीट नहीं है। उस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करने के लिए, हम आज नगांव में बैठक कर रहे हैं। हमारे लिए, सबसे चुनौतीपूर्ण नगांव, करीमगंज, और धुबड़ी की सीटें हैं। इसके अलावा, एआईयूडीएफ और कांग्रेस के पास यहां सबसे अच्छी सीटें हैं। जो लोग अच्छी सीट के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं वे मधुमक्खियों की तरह इकट्ठा हो जाएंगे। यह विशेष रूप से असाधारण नहीं है। शेष सीटों पर कांग्रेस अनिवार्य रूप से हार जाएगी। अगर नगांव प्रद्युत बरदलै की पसंद होगी वह जीतना चाहते हैं। गौरव गोगोई ने -शेष पृष्ठ दो पर

बारामूला में आतंकियों ने रिटायर्ड पुलिस अधिकारी की हत्या की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में रविवार को आतंकवादियों ने एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मोहम्मद शफी को आज तड़के एक मस्जिद के अंदर गोली मार दी गई। कश्मीर जोन पुलिस ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि आतंकवादियों ने गेंटमुल्ला, शीरी बारामूला में एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी मोहम्मद शफी पर मस्जिद में अजान पढ़ते समय गोलियां चलाईं जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले जम्मू में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों ने शनिवार तड़के यहां घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू में अखनूर के खौर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास शनिवार तड़के भारी हथियारों से लैस चार आतंकवादियों के एक समूह को सुरक्षाबलों ने भारतीय क्षेत्र की ओर घुसपैठ की कोशिश करते हुए देखा। सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
दुर्बल के साथ संधि न करें।
- आचार्य चाणक्य

फांसी की सजा पाया दोषी दया याचिका खारिज करने के निर्णय को नहीं दे सकेगा चुनौती

नई दिल्ली। देश में आपराधिक कानून बदलने वाला है। नया कानून संसद से पारित हो चुका है और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद लागू हो जाएगा। नए कानून लागू होने के बाद आपराधिक न्याय प्रणाली में काफी बदलाव आएंगे उनमें से एक यह भी है कि फांसी की सजा पाया दोषी राष्ट्रपति या राज्यपाल के दया याचिका खारिज करने के निर्णय को अदालत में चुनौती नहीं दे पाएगा। नए कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 472 कहती है कि दया याचिका खारिज करने के राष्ट्रपति या राज्यपाल के निर्णय के खिलाफ किसी अदालत में अपील नहीं होगी। यानी सीधा मतलब है कि आदेश को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। इतना ही नहीं नए कानून के मुताबिक, कोई तीसरा पक्ष दया याचिका दाखिल नहीं कर सकता। कानून कहता है कि दया याचिका दोषी, उसका -शेष पृष्ठ दो पर

जापान में भूस्खलन की चपेट में आए अनेक वाहन चालक लापता

टोक्यो (हि.स.)। जापान के नारा प्रांत में राष्ट्रीय मार्ग 169 पर 24 घंटे पहले हुए भूस्खलन की चपेट में आए वाहनों और लोगों की तलाश की जा रही है। इस दौरान एक वाहन चालक को बचा लिया गया है। जापान के प्रमुख अखबार जापान टाइम्स के अनुसार नारा प्रांत में शनिवार को भूस्खलन के दौरान कई कारें फंस गई हैं। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी टीमों के साथ कारों और उनके चालकों की तलाश कर रहे हैं। राहत और -शेष पृष्ठ दो पर

इंडोनेशिया : प्लांट में भीषण धमाका, 13 मजदूरों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर चीनी स्वामित्व वाले निकेल संयंत्र में रविवार को एक धातु गलाने वाली भट्टी में विस्फोट हो गया जिसमें कम से कम 13 कर्मचारियों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस और कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इंडोनेशिया में निकेल गलाने वाले संयंत्रों में होने वाली घातक दुर्घटनाओं के मद्देनजर यह ताजा घटना है। यह चीन के महत्वाकांक्षी अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम का हिस्सा है जिसे *बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव* के नाम से जाना जाता है। इलेक्ट्रिक वाहनों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

जेठ ने बहु पर पेट्रोल छिड़क कर लगा दी आग

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में एक 33 वर्षीय महिला को उसके जेठ ने दिनदहाड़े कथित तौर पर आग लगा दिया। पुलिस ने रविवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को रतलाम जिले के ढोढर गांव में हुई हत्या के मामले में आरोपी सुरेश (40) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राहुल कुमार लोढ़ा ने कहा कि सुरेश ने कथित तौर पर अपनी बहु निर्मला पर रॉड से हमला किया और आग लगाने से पहले उस पर पेट्रोल डाला। उन्होंने बताया कि पीड़ित की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि निर्मला -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना : केरल में फिर गई एक जान, महाराष्ट्र में भी अलर्ट

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार कम नहीं हो रही है। संक्रमण से हो रही मौत पर भी लगाम नहीं लग पा रही है। देश में रविवार को पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 656 नए मामले सामने आने के बाद एक्टिव मरीजों की संख्या अब 3742 पहुंच गई है। कोरोना के इन नए केस में 128 तो अकेले केरल में पाए गए हैं। केरल में संक्रमण की वजह से एक मरीज की मौत भी हुई है। दूसरी ओर बढ़ते संक्रमण को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार भी अलर्ट हो गई है। केरल में कोरोना वायरस से एक और मौत के बाद राज्य में कोरोना वायरस से होने वाली कुल मौत का आंकड़ा 72063 पहुंच गया है। राज्य में पिछले 24 घंटे में 296 लोग ठीक भी हुए हैं। मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने राज्य के लोगों को आश्वस्त किया था कि केरल में कोरोना मामलों में बढ़ोतरी होने के बाद भी चिंता -शेष पृष्ठ दो पर

डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों को सतर्क रहने का किया आग्रह

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों से निगरानी मजबूत करने का आग्रह किया है। इसके अलावा, इन्फ्लूएंजा और कोविड वैरिएंट जेएन.1 सहित सांस संबधित रोगों के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों से सुरक्षात्मक उपाय करने को कहा है। डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

मुट्ठीभर लोग भारत की छवि को कर रहे धूमिल : उपराष्ट्रपति

गौतमबुद्ध नगर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी कार्यशैली की जमकर तारीफ की। उन्होंने योगी को पर्सन ऑफ एक्शन का प्रतीक बताया। उपराष्ट्रपति ने इसके साथ ही भारत की छवि धूमिल करने वालों की जमकर खिंचाई की। उन्होंने कहा कि मुट्ठीभर लोग भारत की छवि को धूमिल करने में लगे हैं। आज जब भारत विश्वस्तर पर लगातार आगे बढ़ रहा है तब ये मुट्ठीभर लोग इसे धूमिल करने के प्रयास में लगे हुए हैं। ऐसे समय में देश के युवा साथियों को चुप्पी नहीं साधनी चाहिए। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि मुझे दु:ख होता है जब हमारा एक संसद सदस्य हार्वर्ड -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना मोदी सरकार का लक्ष्य : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में गरीबों सहित 140 करोड़ लोगों को *आत्मनिर्भर* बनाना चाहते हैं और उन्होंने इसके लिए समर्पण के साथ काम किया है। शाह यहां *पीएम स्वनिधि* योजना के लाभार्थियों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह योजना रेहड़ी-पटरी वालों को आसान ऋण दिलाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तथा साथ ही उनका लक्ष्य गरीब लोगों को भी आत्मनिर्भर बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में गरीब लोगों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम-स्वनिधि योजना) के लाभार्थियों को ऋण देने के कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया है और वह देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रक्षा, सभी प्रकार के व्यवसायों तथा अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सभी गरीबों सहित 140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास के अलावा, प्रधानमंत्री ने 60 करोड़ गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ काम किया है। शाह ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में, लगभग तीन करोड़ लोगों को अपना घर मिला, चार करोड़ लोगों को बिजली कनेक्शन मिला, 10 करोड़ लोगों को गैस सिलेंडर मिले, 12 करोड़ लोगों को शौचालय मिले, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिला और 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपए की स्वास्थ्य बीमा (योजना) में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को गरीबी से बाहर लाने के लिए विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। गृह मंत्री ने कहा कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र (गुजरात में गांधीनगर) में 1.5 लाख से अधिक लोगों ने पीएम-स्वनिधि योजना का लाभ उठाया है, जिसके तहत बिना किसी गारंटी के छोटे व्यवसाय और हाथ गाड़ियां चलाने वालों को वित्तीय सहायता दी जाती है। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शुरू की गई योजनाओं के परिणामस्वरूप देश में गरीब लोग अब आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं। शाह अपने निर्वाचन क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उनका विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने का कार्यक्रम है।

सृष्टि का कल्याण केवल सनातन से ही संभव : भागवत

हरिद्वार (हि.स.)। जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज के श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा की आचार्य पीठ पर पदस्थापन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर यहां हरिहर आश्रम में दिव्य आध्यात्मिक महोत्सव का रविवार को शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस समारोह का शुभारंभ आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने अरणी मंथन के साथ किया। आश्रम के मृत्युंजय मंडपम् में वैदिक सनातन धर्म में समष्टि कल्याण के सूत्र विषय पर धर्मसभा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत ने समष्टि कल्याण के सूत्रों में माता पृथ्वी के रक्षण और संवर्द्धन, प्राकृतिक संसाधनों के विवेक पूर्ण उपभोग, सतत विकास की अवधारणा एवं दान और त्याग की प्रवृत्तियों जैसे कई सूत्र व्यक्त किए। इस मौके पर सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि ज्ञान आपके व्यवहार और चरित्र में अवतरित होने पर ही आप समाज के लिए आदर्श बन पायेंगे। गीता के ज्ञान की विवेचना करते हुए उन्होंने कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन जैसे अन्य सूत्रों का रहस्योद्घाटन किया। भागवत ने कहा कि हम आज विश्व कल्याण के साथ भय मुक्त विश्व की कामना करते हैं। सृष्टि का कल्याण केवल सनातन में है। ज्ञान भाषण से नहीं आता है। अगर एक शब्द का भी आचरण कर लिया जाए तो दुनिया में परिवर्तन आ सकता है। भगवान श्री राम इसलिए मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं कहलाए, इसके लिए उन्होंने मर्यादाओं का पालन किया। उन्होंने कहा कि अगर हम अपना जीवन बदलें तो दुनिया में बदलाव आएगा और भारत फिर से विश्वगुरु बनेगा। अकेला सनातन कल्याणकारी सनातन वर्ण का पालन करें तो दुनिया का भला होगा और हमारा भी भला होगा। इस अवसर पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज की रचित व प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित चार पुस्तकें स्तुति प्रकाश, स्तुति प्रवाह, पथ ऑफ डिवनिटी और टू वर्ल्डस् परफेक्शन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सुलभ इंटरनेशनल के प्रमुख दिलीप पाठक को उनके द्वारा देश को स्वच्छ बनाने के लिए किए गए अद्वितीय प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

सोनारी की सड़क पर चलते हुए जलने लगी टाटा नैनो कार

चराईदेव (हिंस)। सोनारी में हाईवे पर टाटा नैनो में आग लग गई। टाटा नैनो (एएस-03एस-6079) में आग उस समय लगी जब, सुभाषी महंती कार लेकर सफराई रंगापाथर से गुजर रहा था। वह जिला सिविल अस्पताल में चिकित्सा कारणों से जा रहा था। बाद में अस्पताल से अपने घर लौटते समय यांत्रिक खराबी के कारण उसमें आग लग गई। हालांकि, गाड़ी के ड्राइवर को बचा लिया गया।

हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी के विद्यारडावरी में हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। एक लग्जरी वाहन (डब्ल्यूबी-74एटी-6045) भी तस्कर से जब्त किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान जहांगीर अली के रूप में हुई है। जहांगीर अली का घर पश्चिम बंगाल के बेहर जिले के छोटे लौकुटी गांव में है। पुलिस ने आज यहां बताया कि छागलिया पुलिस ने छापा मारकर तस्कर को वाहन के साथ पकड़ लिया। 58.88 ग्राम से अधिक वजन के हेरोइन से भरा एक साबुनदानी जब्त किया गया।

राम मंदिर उद्घाटन पूरे देश के लिए गर्व की बात है : सोनोवाल

गुवाहाटी (असम)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर के भव्य उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए तैयार हैं। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने शनिवार को कहा कि यह देश के लिए बहुत गर्व की बात है। मंदिर के उद्घाटन पर केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि यह देश के लिए आत्मसम्मान की बात है। हम हमेशा भगवान राम से आशीर्वाद चाहते हैं। यह लोगों के लिए गर्व की बात है कि भगवान राम के मंदिर का उद्घाटन होगा। उन्होंने कहा कि आज देश भगवान राम के मार्गदर्शन में विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। 22 जनवरी को होने वाले समारोह में भव्य मंदिर में रामलला की मूर्ति की स्थापना होगी। इसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सैकड़ों अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को भव्य मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की स्थापना में शामिल होने के लिए तैयार हैं। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या, भारत के लोगों के लिए महान आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखती है। ट्रस्ट ने समारोह के लिए सभी संप्रदायों के 4,000 संतों को भी आमंत्रित किया है। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के मुताबिक 10,000-15,000 लोगों के लिए व्यवस्था की जाएगी। 22 जनवरी, 2024 को कर्नाटक से लाए गए दो पत्थरों और राजस्थान से लाए गए एक पत्थर से बनाई जा रही तीन मूर्तियों में से एक को भव्य मंदिर के गर्भगृह में रखा जाएगा। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए तीन शिलाओं से बनी सर्वश्रेष्ठ मूर्ति का चयन जनवरी के प्रथम सप्ताह में किया जाएगा। इस बीच, भाजपा ने 1 जनवरी से राम मंदिर उत्सव के लिए एक अभियान चलाने का फैसला किया है, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता देश भर के सभी गांवों में घर-घर जाएंगे और दस करोड़ परिवारों को अयोध्या में राम मंदिर के लिए दीया लाइटिंग कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

कामपुर में भोगाली मेले की व्यापक तैयारी

नगांव (हिंस)। जिले के कामपुर में भोगाली बिहू मेले की व्यापक तैयारी की गई है। कामपुर माधव कांदली क्षेत्र में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी भोगाली मेले का आयोजन किया जा रहा है। ग्रेटर कामपुर में 14 जनवरी से पांच दिवसीय कार्यक्रम के साथ लगने वाले भोगाली मेले में की तैयारी आज *लाई खूटा* लगाकर शुरू की गई।

पृष्ठ एक का शेष

पुलिस फायरिंग में ...

तक अरुणाचल प्रदेश की खोंसा जेल में कैद रहा। पुलिस ने बयान में कहा कि रिहाई के बाद भी आरोपी म्यांमार में मौजूद अल्फा के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ लगातार संपर्क में रहा और उन्हें राष्ट्र-विरोधी गतिविधि को अंजाम देने के लिए जानकारी और अन्य स्थानीय सहायता प्रदान की। इस घटना में, उसे ग्रेनेड को गंतव्य तक पहुंचाने और ग्रेनेड फेंकने की गतिविधि को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने बताया कि जब आरोपी की निशानदेही पर रविवार तड़के गोला-बारूद की बरामदगी के लिए गेलकी ले जाया गया तो उसने भागने की कोशिश जिसपर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गोली चलाई जो उसके पैर में लगी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादी को डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एएमसीएच) में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बयान में यह भी कहा गया कि तलाशी अभियान में 21 राउंड गोला बारूद, घटना में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किए गए। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात तिनसुकिया जिले में एक अन्य घटना में, प्रतिबंधित अल्फा (आई) में शामिल होने जा रहे तीन युवक पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान जवाबी कार्रवाई में घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह घटना तब हुई जब तीनों को सदिया लाया जा रहा था, जो तिनसुकिया के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र के तहत एक पुलिस जिला है। सदिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मृणाल डेका ने बताया कि युवक जिले के चापाखुवा इलाके के थे और उनके परिवारों ने सदिया पुलिस थाने को सूचित किया था कि वे प्रतिबंधित संगठन में शामिल होने के लिए घर छोड़कर चले गए हैं।

परेश बरुआ के ...

है, तो सरकार को न्यायिक आयोग बनाना होगा और अगर ऐसा होता है तो परेश बरुआ को आना होगा। वह बाहर निकलें और न्यायिक आयोग को गवाही दें। असम के सीएम ने कहा कि मुठभेड़ फर्जी है या नहीं, इसके लिए एक न्यायिक आयोग बनाना होगा। फिर अल्फा को आकर गवाही देनी होगी। तो क्या अल्फा आएगा या नहीं, यह सवाल है। अगर परेश बरुआ कहते हैं कि यह फर्जी मुठभेड़ है, तो मुझे न्यायिक आयोग बनाना होगा। परेश बरुआ को यहां आकर गवाही देनी होगी। वह आएंगे या नहीं ? इसलिए सवाल उठाने का कोई मतलब नहीं है। एक बार परेश बरुआ लौट आएंगे, तो सभी मुद्दे हल किए जाएंगे। ताजा मुठभेड़ों के आलोक में ऊपरी असम के जिलों में सुरक्षा परिदृश्य के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि तिनसुकिया जैसे जिलों में कोई सुरक्षा चिंता नहीं है और वहां सब कुछ ठीक है। तिनसुकिया में कोई गंभीर स्थिति नहीं है। लोग सुबह दुकानें खोल रहे हैं और रात में बंद कर रहे हैं। कहीं कोई समस्या नहीं है। मैं इस बार तिनसुकिया गया था। व्यापारियों ने मुझसे पूरी रात दुकानें खुली रखने की अपील की। सीएम शर्मा ने कहा कि वहीं की स्थिति गुवाहाटी से अलग दिखती है। तिनसुकिया की स्थिति वास्तव में काफी अलग है। उल्लेखनीय यह है कि दो ताजा मुठभेड़ अल्फा (स्वा.) और असम के डीजीपी जीपी सिंह के बीच वाकयुद्ध के बीच हुई हैं, जिसमें अल्फा (स्वा.) ने हाल ही में समूह से जुड़े होने के संदेह में राज्य भर में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। सिंह ने राज्य के निवासियों की सुरक्षा के प्रति असम पुलिस की प्रतिबद्धता और संघर्ष से बचने की उनकी इच्छा दोहराई थी। डीजीपी ने कल चेतावनी भी दी थी कि जो लोग *आतंकवादी संगठनों* को समर्थन देंगे उन्हें गिरफ्तारी का सामना करना पड़ेगा।

सीएम ने जगीरोड...

सीटों की क्षमता वाला सभागार। 01.95 करोड़ रुपए की लागत से जगीरोड विकास प्राधिकरण की एक बहु-उपयोगिता भवन, 9.56 करोड़ रुपए की लागत से तरंगा बील के किनारे एक साइकिल ट्रैक विकसित किया गया। इसके अलावा, उन्होंने सड़क सुरक्षा मिशन के तहत एम्बुलेंस और अन्य वाहनों और जगीरोड पुलिस स्टेशन के परिसर में स्थित जनसंयोग असम के एक डिजिटल एलईडी बोर्ड को हरी झंडी दिखाई। जगीरोड के कागज नगर खेल मैदान में आयोजित एक जनसभा में बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि 114 करोड़ रुपए की विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। किसी एक विधान सभा क्षेत्र के लिए एक ही दिन में 114 करोड़ रुपए खर्च करना अपने आप में एक रिकॉर्ड है, क्योंकि इससे पहले एक ही दिन में इतनी बड़ी लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन कभी नहीं किया गया होगा। उन्होंने आम तौर पर मोरीगांव जिले और विशेष रूप से जगीरोड शहर के निवासियों को सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में नवीनतम वृद्धि के लिए बधाई दी और विश्वास जताया कि ये काफी हद तक जगीरोड के निवासियों की वास्तविक आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायक होंगे। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने जगीरोड और कछार में हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की दो पेपर मिलों से संबंधित जटिल मुद्दों को हल करने के लिए 810 करोड़ रुपए आवंटित करने का साहसिक निर्णय लिया है। इस राशि का उपयोग विभिन्न कारकों के कारण बंद हुई मिलों के प्रभावित श्रमिकों को मुआवजा देने सहित विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगीरोड में बड़े पैमाने पर निवेश होने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने घोषणा की कि 50 करोड़ रुपए जगीरोड शहर के लिए, आधुनिक जल निकासी प्रणाली विकसित करने के लिए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, एक नया अग्निशमन सेवा केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, 66 करोड़ रुपए की राशि असीम माला योजना के तहत बघारा और अमसोई के बीच सड़क के विस्तार को विकसित करने के लिए खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आगामी मोरीगांव मेडिकल कॉलेज और अस्पताल दो साल की अवधि के भीतर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि राज्य में पिछले कुछ वर्षों से अभूतपूर्व स्तर की विकासात्मक गतिविधियां देखी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य के एक लाख युवाओं को सरकारी क्षेत्र में नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने की राह पर है। राज्य के युवाओं में उद्यमशीलता की संस्कृति का निर्माण करने के लिए मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान के तहत युवाओं को बिना गिरवी ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समावेशी वित्तीय सशक्तिकरण के आंदोलन को शुरू करने के उद्देश्य से 40 लाख महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के खातों में प्रत्येक को 10 हजार रुपए जमा किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम एक ऐसे वातावरण के निर्माण के कारण कई मोर्चों पर अभूतपूर्व स्तर की वृद्धि और विकास देख रहा है जो सभी प्रकार के झगड़े और हड़तालों को दूर रखने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि हड़ताल और आंदोलन के बिना अगले 10 साल तक असम सभी मोर्चों पर शीर्ष पांच राज्यों में से एक बन जाएगा। उन्होंने असम के विकास पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि असम के लोग प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व में नए और पुनर्जीवित असम और भारत द्वारा पेश किए जा रहे अवसरों का सर्वोत्तम उपयोग करेंगे। इस मौके पर जल संसाधन और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका, आवास और शहरी मामलों के विभाग के मंत्री अशोक सिंघल, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री केशब महंत, विधायक रमाकांत देवरी, रूपक शर्मा, शशि कांत दास, कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के प्रमुख तुलीराम रोंगहांग, तिवा स्वायत्त परिषद के प्रमुख जीबन चंद्र कोंवर सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

रूम हीटर बना ...

पत्नी संजू भी झुलस गई। उन्होंने बताया कि कमरे से चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी उन्हें बचाने के लिए दौड़े और आग बुझाने का प्रयास किया। पीड़ितों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां दीपक और निशिका को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि संजू का गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज जारी है। दीपक चालक का काम करता था। दीपक ने जयपुर की संजू यादव से 2 साल पहले लव मैरिज की थी। दो महीने पहले उनके घर बेटी ने जन्म लिया था। दीपक और संजू कमरे में हीटर चलाकर सो रहे थे। रात में अचानक हीटर से आग लग गई। इससे दीपक और उसकी बेटी निशिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से झुलस गई। इससे तीनों उसकी लपटों में घिर गए। चिल्लाने की आवाज सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे। मगर, तब तक पूरा कमरा जल चुका था। ग्रामीणों ने जैसे-तैसे तीनों को बाहर निकाला। इसमें बाप-बेटी की मौत हो चुकी थी, जबकि महिला 80त्न से ज्यादा जल चुकी थी। एडिशनल एसपी तेजपाल सिंह ने बताया कि हॉस्पिटल में महिला का इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

मणिपुर : तलाशी अभियान...

और युद्ध जैसे भंडार बरामद किए गए थे। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार से जातीय हिंसा में नष्ट हुए पूजा स्थलों को बहाल करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में अदालत द्वारा नियुक्त समिति को विवरण देने को कहा। बता दें कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों से जुड़ी हिंसा 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर (एटीएसयूएम) की एक रैली के बाद भड़की थी। हिंसा और दंगे जारी रहने और कई लोगों की जान जाने के कारण, केंद्र को शांति बहाल करने के लिए अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा था।

तेलंगाना में बिना...

और क्लोपिडोग्रेल पाए जाते हैं। डीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि परिसर में लगभग 935 किलो दवाओं का भंडार पाया गया है। इस सुविधा का संचालन कादरी सतीश रेड्डी के करीबी रिश्तेदार उपेंदर रेड्डी कर रहे थे, जिनके हैदराबाद के माचा बोल्लाराम में बिना लाइसेंस वाले परिसर पर चार दिसंबर को डीसीए अधिकारियों ने छापेमारी की और 4 करोड़ 35 लाख रुपए की नकली कैंसर रोधी और अन्य दवाइयां जब्त कीं। बकौल रिपोर्ट मुख्य आरोपी कादरी सतीश रेड्डी चार दिसंबर की छापेमारी के बाद फरार हो गया और अब वह अन्नारुगुडेम गांव में दवाओं के अवैध निर्माण में भी मुख्य साजिशकर्ता है। डीसीए अधिकारियों ने छापेमारी में स्थानीय पुलिस की सहायता ली। अधिकारियों ने स्टॉक जब्त कर लिए और विश्लेषण के लिए सेंपल एकत्रित किए गए हैं। महानिदेशक ने बताया कि इसकी आगे की जांच की जाएगी और दवाओं के अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

नगांव, करीमगंज, धुबड़ी ...

भी नगांव पर फैसला किया है, जो रकीबुल हुसैन नगांव को भी चुनेंगे। वे जहां भी जाएंगे, अनिवार्य रूप से असफल होंगे। गौरतलब है कि माना जा रहा है कि कांग्रेस के पास नगांव लोकसभा क्षेत्र के लिए एक मजबूत उम्मीदवार है। इस बार, असम कांग्रेस के नेता रकीबुल हुसैन और मौजूदा सांसद प्रद्युत बरदलै ने नगांव सीट के लिए कांग्रेस के नामांकन के लिए उम्मीदवार के रूप में अपना बायोडाटा डाला है। इसके अलावा, कालियाबार के सांसद गौरव गोगोई नगांव से कांग्रेस के टिकट के लिए एक अतिरिक्त उम्मीदवार के रूप में सामने आए हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हाल ही में असमिया परिसीमन अभियान के दौरान कालियाबार लोकसभा सीट समाप्त हो गई और नव स्थापित काजीरंगा लोकसभा सीट में विलय हो गई।

फांसी की सजा पाया...

कानूनी उत्तराधिकारी या कोई रिश्तेदार ही दाखिल कर सकता है। इसका मतलब है कि किसी दोषी की सजा माफ कराने के लिए कोई तीसरा पक्ष दया याचिका नहीं दाखिल कर सकता, जबकि मौजूदा कानून में ऐसी कोई शर्त नहीं है। नए कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की ये दोनों ही व्यवस्थाएं नई हैं, क्योंकि इससे पहले बहुत बार फांसी की सजा पाए दोषी दया याचिका खारिज करने के राष्ट्रपति के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं, इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने उन याचिकाओं पर विचार किया और पूरे मामले के विश्वेषण के बाद मौत की सजा को उम्रकैद में भी तब्दील किया। इस संबंध में शत्रुघन चौहान बनाम भारत सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट का 21 जनवरी, 2014 का फैसला उल्लेखनीय है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड के मामले में गाइड लाइन तय की हैं। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने दया याचिका निपटाने में अनुचित देरी के आधार पर 15 दोषियों की मौत की सजा उम्रकैद में तब्दील कर दी थी। सभी 15 दोषियों की ओर से राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा दया याचिका खारिज होने के बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था, लेकिन अब नए कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की दया याचिका से संबंधित प्रावधान करने वाली धारा 472 में साफ कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 72 (राष्ट्रपति को दोषी को माफी देने का अधिकार) और अनुच्छेद 161 (राज्यपाल को दोषी को माफी देने का अधिकार) के तहत दिए गए आदेश के खिलाफ किसी भी अदालत में अपील नहीं होगी और राष्ट्रपति या राज्यपाल का आदेश अंतिम होगा। कानून में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के निर्णय पर पहुंचने के किसी भी सवाल पर कोई भी अदालत में किसी तरह की जांच नहीं की जाएगी। यानी नया कानून कहता है कि किसी भी अदालत को इस चीज की जांच पड़ताल और सवाल करने का अधिकार नहीं होगा कि राष्ट्रपति या राज्यपाल दया याचिका के बारे में लिए गए निर्णय पर कैसे पहुंचे। देखा जाए तो कानून में स्पष्ट तौर पर आगे कोर्ट जाने पर पूर्ण विराम लगाया गया है। मृत्युदंड के दोषियों की ओर से दया याचिका दाखिल करने के संबंध में नए कानून में एक और खास प्रावधान है जिसके मुताबिक, दया याचिका दोषी, उसका कानूनी उत्तराधिकारी या रिश्तेदार ही दाखिल कर सकता है। यानी किसी तीसरे पक्ष को दोषी की माफी के लिए दया याचिका दाखिल करने का अधिकार नहीं होगा।

जापान में भूस्खलन...

बचाव अधिकारियों के अनुसार इस दौरान एक 50 वर्षीय कारचालक की तलाश कर ली गई है। उसे सकुशल निकाल लिया गया है। यह व्यक्ति करीब सात घंटे तक वाहन के साथ फंसा रहा। इस स्थान पर मई में भी बारिश के दौरान भूस्खलन हुआ था। इस व्यक्ति का कहना है कि उसके आगे कई कारें चल रही थीं। अधिकारियों का कहना है कि लापता कारों और लोगों की तलाश की जा रही है।

इंडोनेशिया : प्लांट में ...

के लिए वैश्विक स्तर पर बैटरी के उत्पादन में निकेल एक प्रमुख घटक है। सेंट्रल सुलावेसी के पुलिस प्रमुख अगस नुगरोहो ने कहा कि भट्ठी की मरम्मत के दौरान अचानक विस्फोट होने से कम से कम पांच चीनी और आठ इंडोनेशियाई श्रमिकों की मौत हो गई। नुगरोहो ने कहा कि यह विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसने भट्ठी को ध्वस्त कर दिया और संयंत्र की इमारत की बगल की दीवारों के कुछ हिस्सों को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि लगभग 38 श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। नुगरोहो ने कहा कि अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या कंपनी की लापरवाही के कारण यह मौतें हुईं। कंपनी के एक प्रवक्ता डेडी कुर्नियावान ने कहा कि हम इस घटना के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं और हम दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

बारामूला में आतंकियों ...

कोशिश कर रहे आतंकवादियों पर गोलीबारी की और उनमें से एक आतंकवादी को मार गिराया। व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि घुसपैठ की बड़ी कोशिश को नाकाम किया गया। आतंकवादियों को उनके एक सहयोगी के शव को आईबी के उस पार घसीटते हुए देखा गया। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एक निगरानी उपकरण से रिकॉर्ड की गई एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें चार आतंकवादी अंधेरे की आड़ में पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते हुए नजर आ रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रखी गई और दिन की पहली किरण के साथ तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने कहा कि खून के धब्बों से एक आतंकवादी के मारे जाने की पुष्टि हुई है, जिसके शव को हालांकि उसके सहयोगी घसीटकर पाकिस्तान की ओर ले गए थे। अंतिम सूचना मिलने तक सुरक्षाबलों का अभियान जारी है।

कोरोना : केरल में ...

की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि संक्रमण से लड़ने के लिए अस्पताल भी पूरी तरह से तैयार हैं। केरल, कर्नाटक समेत दक्षिण के कई राज्यों में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार भी अलर्ट मोड पर आ गई है। महाराष्ट्र के मंत्री संजय बनसोडे ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य जरूरी उपकरणों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। शनिवार को लातूर में एक बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को एहतियाती कदम उठाने चाहिए और सभी सरकारी संचालित सुविधाओं पर आवश्यक उपकरण जैसे वेंटिलेटर, ऑक्सीजन टैंक और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। भारत में अब तक कोरोना वायरस के नए सब वैरिएंट जेएन1 के 22 मामले सामने आ चुके हैं। केंद्रीय सरकार ने भी सभी राज्यों को ज्यादा से ज्यादा जीनोम सिक्केंसिंग जांच के लिए सैंपल भेजने पर जोर दिया है। ओडिशा में कोरोना वायरस के अब तक दो मामले सामने आ चुके हैं। राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाते हुए शनिवार को बुजुर्गों और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी। राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक निरंजन मिश्रा ने कहा कि दोनों मरीज घर पर ही आइसोलेशन में हैं और उनकी तबीयत भी ठीक है। केरल के साथ-साथ कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में कोरोना के नए केस सामने आ चुके हैं। ये सभी राज्य सरकारें कोरोना को लेकर अलर्ट मोड में भी आ गई हैं। यूपी की योगी सरकार ने शुक्रवार को नई गाइडलाइन जारी की। गाइडलाइन के मुताबिक, राज्य के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के साथ ही सीएमओ को नई गाइडलाइन को पालन कराने का निर्देश दिया गया है। गाइडलाइन के मुताबिक, जिन भी मरीजों में इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षण, सर्दी, खांसी, बुखार की शिकायत मिलती है तो उनकी कोविड जांच कराई जाएगी।

डब्ल्यूएचओ ने सभी...

निदेशक डॉ.पूनम खेत्रपाल सिंह ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 वायरस वैश्विक स्तर पर सभी देशों में विकसित, बदल और प्रसारित हो रहा है। जबकि वर्तमान सबतों से पता चलता है कि जेएन.1 द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम है, हमें अपनी प्रतिक्रिया को अनुकूलित करने के लिए इन वायरस के विकास को ट्रैक करना जारी रखना चाहिए। इसके लिए देशों को निगरानी और अनुक्रमण को मजबूत करना होगा और डेटा साझा करना सुनिश्चित करना होगा। डब्ल्यूएचओ ने जेएन.1 को इसके तेजी से वैश्विक प्रसार के बाद एक प्रकार के रूप में वर्गीकृत किया है। हाल के सप्ताहों में, जेएन.1 कई देशों में रिपोर्ट किया गया है और इसका प्रसार विश्व स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। जेएन.1 द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को वर्तमान में वैश्विक स्तर पर कम आंका गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अनुमान है कि यह वैरिएंट अन्य वायरल और बैक्टीरियल संक्रमणों के बढ़ने के बीच, सर्दी वाले देशों में कोविड-19 मामलों में वृद्धि का कारण बन सकता है। डॉ. खेत्रपाल सिंह ने कहा कि लोग छुट्टियों के मौसम में ट्रेवल करते हैं और एक साथ एकट्ठा होते हैं। घर के अंदर बहुत सारा समय एक साथ बिताते हैं, जहां खराब वेंटिलेशन श्वसन रोगों का कारण बनता है। इसको देखते हुए अस्वस्थ होने पर समय पर अपनी देखभाल करना बेहद जरूरी है। इससे पहले मई में, कोविड-19 मामलों, अस्पताल में भर्ती होने और मौतों की गति में निरंतर गिरावट के बाद, डब्ल्यूएचओ ने घोषणा की कि कोविड-19 अब अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है। क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उच्च स्तर पर कोविड-19 का प्रसार जारी है। देशों को श्वसन रोगों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए निगरानी, अनुक्रमण और रिपोर्टिंग को मजबूत करना चाहिए।

मुट्ठीभर लोग भारत ...

में जाकर कहता है कि भारत में लोकतंत्र को खतरा है। जबकि भारत दुनिया का अकेला देश है जहां गांव से लेकर संसद तक लोकतंत्र कायम है। उपराष्ट्रपति धनखड़ गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरे लिए वो एक सुखद दिन था जब मुझसे कहा गया कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आपसे बात करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में नाम हासिल किया है। आदित्यनाथ आज पर्सन ऑफ एक्शन के प्रतीक बन चुके हैं। हम सब जानते हैं कि यूपी में पहले क्या हालात थे। कानून व्यवस्था और विकास की दृष्टि से ये प्रदेश सबकी चिंता का विषय था। मगर आज यूपी देश ही नहीं दुनिया में लॉ एंड ऑर्डर को लेकर रोल मॉडल बन चुका है। धनखड़ ने कहा कि लंबे समय तक वकालत के पेशे में रहने के कारण उनका उद्योग जगत से गहरा नाता रहा है और उन्हें ये बात कहने में खुशी होती है कि यूपी आज प्रीमियम कैटेगरी के उद्योगों के लिए फेवरेट डेस्टिनेशन बन चुका है। पश्चिम बंगाल का गवर्नर रहने के दौरान वह तीन दर्जन स्टेट विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति थे, मगर वहां चांसलर के साथ क्या होता है, सब जानते हैं। उन्होंने कहा कि गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह सबसे अलग है। उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह में वो जो कहना चाहते थे उसे मुख्यमंत्री ने उनसे भी बेहतर ढंग से कहा है।

जेठ ने बहु पर ...

सुरेश के छोटे भाई प्रकाश की पत्नी थी, जिसने हाल ही में आत्महत्या कर ली थी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने अपने भाई की मौत के लिए निर्मला को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने बताया कि पीड़िता ढोढर में अपने दो बच्चों के साथ रह रही थी।

इंडी गठबंधन का अस्तित्व डिमा हसाओ में ही खत्म हो जाएगा : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रंजीब कुमार शर्मा का कहना है कि उत्तर कछार स्वायत्त परिषद के चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन का अंत हो जाएगा। बशिष्ठ स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को हताश और भटका हुआ बताया। प्रवक्ता के मुताबिक, चूंकि कांग्रेस के सभी अग्रणी नेताओं गौरव गोगोई, प्रद्युत बरदलै, रकीबुल हुसैन, देबब्रत सैकिया, अब्दुल खालेक ने भूपेन बोरा का साथ छोड़ दिया है, इसलिए अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए अनाप-शनाप बोलना भूपेन बोरा की दिनचर्या बन गई है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने भूपेन बोरा की बातों पर ध्यान देना बंद कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बोरा को आदिवासी लोग जोकर मानते हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि असम में भी पिछले दशक में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसा ही चुनावी माहौल है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मतपेटियों पर कब्जा कर राजनीति करने वाली कांग्रेस ही थी। हम सभी जानते हैं कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और लालू प्रसाद की राजद ने भी किस तरह कांग्रेस की नीतियों का अनुसरण किया। शायद असम में डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार होने के कारण अब मतदान के दौरान धांधली संभव नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि इसीलिए भूपेन बोरा अवसादग्रस्त हैं और बेमतलब बातें कहकर उन्होंने खुद को जोकर बना लिया है। राज्य में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा तैयार स्वस्थ और स्थिर प्रशासन प्रणाली के कारण एक समृद्ध शैक्षणिक वातावरण विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि 2021 में असम में उच्च शिक्षा के लिए छात्रों का नामांकन 4.1 फीसदी बढ़कर 12 लाख छात्रों तक पहुंच गया है। इसी तरह, भारतीय स्टेट बैंक के अनुसंधान विभाग के अनुसार, पिछले दो वर्षों में बेरोजगारी की दर में 11.8 फीसदी की गिरावट आई है। भारतीय स्टेट बैंक के शोध विभाग के अनुसार बेरोजगारी कम होने की सूची में असम शीर्ष पर है। प्रदेश भाजपा प्रदेश के विकासात्मक माहौल के लिए भाजपा सरकार की योजनाओं को इसका श्रेय देती है।

एक ही रात में चार गायों की हुई चोरी

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा के लावदांगुड़ी थानाक्षेत्र के उन्नेकुरी में चोरों ने एक ही रात में चार गायों की चोरी कर ली। पुलिस ने आज बताया कि एक गरीब और विकलांग व्यक्ति का गाय भी चोर उठा ले गए। उन्नेकुरी के गरीब किसान हरिचंद्र की तीन और दिव्यांग नारायण दास की एक गाय चोर चोरी कर लिए। पीड़ितों को संदेह है कि बाक्सा के उन्नेकुरी में बने क्रशर मिल के कर्मचारियों के पास बैठे जुए के अड्डे के कारण ही चोरी हुई है। लोग क्रशर मिल के दिन-रात चलने की शिकायतें भी करते हैं। उन्नेकुरी के लोगों ने यह भी बताया है कि चोरों द्वारा ले जायी गयी एक गाय को बाक्सा-चिरांग सीमा पर बूढ़ी खमार के रास्ते पर छोड़ दिया गया। लोगों को डर है कि अगर जुआ नहीं रोका गया तो इस तरह की चोरियां फिर से होंगी। चार गायों की कीमत लाखों रुपए में आंकी गई है।

39 मवेशी समेत दो पशु तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने तलाशी अभियान चलाकर 39 मवेशियों से लदे दो वाहन समेत दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस चौकी इलाके के जोराबाट तीनाली इलाके में विशेष नाका चेकिंग के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग से एक ट्रक (एनएल-01एएफ-7873) को जब्त किया। जब्त किए गए ट्रक में अवैध तरीके से 28 मशियों को मेघालय होते हुए बांग्लादेश के पशु बाजार तक तस्करी की जा रही थी। इस मामले में ट्रक का चालक रशिउल हुसैन (32, होजाई) को गिरफ्तार किया गया है। वहीं जोराबाट पुलिस ने बोलोरो पिकअप (एएस-01 डीसी-3915) को जब्त किया। जिसमें 12 पशुओं को तस्करी की जा रही थी। इस मामले में पुलिस ने चालक हिदायतुल्लाह (24, नगांव) को गिरफ्तार किया। बरामद किए गए सभी पशुओं को बड़े ही क्रूर तरीके से लाया जा रहा था। ज्ञात होगी राज्य में सख्त पशु कानून लागू है इसके बावजूद भी पशुओं की तस्करी जारी है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत अलग अलग प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सीआरपीएफ कैंप पर हमले का आरोपी मुठभेड़ में घायल

शिवसागर (हिंस)। पिछले दिनों सीआरपीएफ कैंप पर हुए हमले का आरोपी पल्लव ज्योति गोगोई नाजिरा गेलेकी के देवपानी में पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। यह मुठभेड़ रविवार की सुबह हुई। पुलिस ने बताया कि पल्लव ज्योति गोगोई के कबूलनामे के आधार पर 21 राउंड गोलियां बरामद की गईं। गेलेकी के देवपानी में जमीन में दबाकर रखी गई दस राउंड पिस्तौल की गोलियां और एके 47 की ग्यारह जिंदा गोलियां बरामद की गईं। शिवसागर के एक शीर्ष पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में शिवसागर सदर पुलिस और गेलेकी पुलिस ने अभियान चलाया। गोगोई को कुछ दिन पहले अल्फा स्वाधीन द्वारा जयसागर में एक अर्धसैनिक शिविर के पास किए गए ग्रेनेड विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। शिवसागर पुलिस ने कोंवरपुर मौजा के निकटवर्ती बिक्रमपुर गांव के निवासी पल्लव ज्योति गोगोई (27) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पल्लब गोगोई को उस समय पैर में गोली मारी, जब वह आज तड़के गेलेकी के देवपानी में छापेमारी के दौरान पुलिस पर ढेला मारकर भागने की कोशिश कर रहा था।

मवेशियों की तस्करी के संदेह में लग्जरी कार जब्त

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी में मवेशियों की तस्करी के संदेह में एक लग्जरी वाहन को जब्त किया गया। पुलिस ने आज बताया कि पुलिस द्वारा नियमित जांच के दौरान एक लक्जरी वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गए लग्जरी वाहनों में गाय का गोबर भी मिला है। पुलिस द्वारा जब्त स्कॉर्पियो गाड़ी का नंबर एएस-02एके-6369 है। नंबर प्लेट को बदले जाने का पुलिस को संदेह है। पुलिस को देखकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

असम खेल पत्रकार कल्याण संघ ने मनाया 12वां स्थापना दिवस

चार खिलाड़ियों को मिला एनआरएल पुरस्कार

गुवाहाटी (हिंस)। खेल पत्रकार कल्याण संघ, असम का 12वां स्थापना दिवस आज दिसपुर के रुद्रसिंह खेल प्रकल्प में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह 10 बजे से स्कूली बच्चों के बीच खेल पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में चार दर्जन से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया। जिसमें, खेल आयोजक, खेल पत्रकार पुलिन दास और नृपेंद्र नारायण सिंह शामिल थे। प्रतियोगिता का उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और गुवाहाटी टेनिस क्लब के अध्यक्ष कल्याण कुमार दास और 128 वीं सीआरपीएफ, नूनमाटी के सेकेंड लेफ्टिनेंट आर्यन कुमार ने किया। असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग के निदेशक प्रदीप तिमुंग, जो *खेल महारन 2023-2024* पर चर्चा करते हुए कहा कि असम सरकार के खेल विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभाओं को एक मंच देने और प्रतिभाओं को खोजने के लिए उठाए गए कदम उठाए गए हैं। सेमिनार में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ताइबुन नेसा, खेल आयोजक कल्याण कुमार दास, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव हेमंत कुमार कलिता, साउथ प्वाइंट स्कूल के प्रिंसिपल कृष्णांजन चंद, 128वीं सीआरपीएफ, नूनमाटी के सेकेंड कमांडेंट आर्यन कुमार, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी राजकुमार दास आदि ने भाग लिया। वरिष्ठ खेल पत्रकार उदय बरगोहाई ने हर साल की तरह इस साल भी चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों भारोत्तोलक रिकी गोगोई, फुटबॉलर माइडांगश्री नार्जारी, ताइक्वांडो खिलाड़ी एंशिखा सिंह और शतरंज खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती को एनआरएल कैच पुरस्कार के साथ 25 हजार रुपए के साथ ही मानपत्र, जापी और पत्रकार गौतम बोरा तथा कुलेन कलिता सोंवरनी मोस्ट प्रॉमिसिंग तथा मोस्ट अपकमिंग पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पुलिन दास के पुत्र कल्याण कुमार दास के परिवार की ओर से पुरस्कार राशि एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। आज के कार्यक्रम में खेल पत्रकार और खेल पत्रकार कल्याण संघ, असम के अध्यक्ष पुलिन साहा, कार्यकारी अध्यक्ष कुमुद तालुकदार, महासचिव पवित्र कुमार गोगोई, पत्रकार हिलदुल गोगोई, अनिरुद्ध यादव, राजेश सिंह गोल्डी, आजाद गोगोई और कई अन्य गणमान्य पत्रकार उपस्थित थे।

क्रिसमस पर राज्य भर के चर्चों में व्यापक तैयारियां

गुवाहाटी (हिंस)। कल क्रिसमस मनाने के लिए राज्य भर में व्यापक पैमाने पर तैयारी की गई है। राजधानी गुवाहाटी समेत राज्य के क्रिश्चियन बहुल पहाड़ी इलाकों में स्थित गिरजाघरों में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन आज से ही शुरू हुआ है। इस मौके पर गिरजाघरों को विभिन्न प्रकार से सजाया गया है। खबरों के अनुसार क्रिसमस के अवसर पर गोसाईगांव उपमंडल के सभी गिरजाघरों में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। चर्च को लोग अलग-अलग रंगों के फूलों से सजाने में जुटे हैं। इस मौके पर ईसाई धर्मावलंबी सर्वशक्तिमान ईसा मसीह से पृथ्वी से बुराई को हटाने और समाज और पूरी दुनिया में शांति लाने के लिए प्रार्थना करते हैं। आयोजकों ने बताया कि हजारों ईसाई लोग चर्च में कल एकत्र होंगे। विशेष रूप से गोसाईगांव उप-मंडल में असम-बंगाल सीमा पर जरागुरी में शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करेंगे और बाइबिल का पाठ करेंगे।

हाईवे पर निरीक्षण करने पहुंचे जिला आयुक्त

जोरहाट (हिंस)। हाईवे पर पुलिस की भूमिका में जोरहाट के जिला आयुक्त पुलक कुमार महंत नजर आए। जिला आयुक्त ने रात में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर बढ़ती दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिले में विभिन्न स्थानों पर जाकर व्यवस्था का रात्रि के समय निरीक्षण किया। जोरहाट जिला प्रशासन ने लापरवाही से वाहन चलाने और हेलमेट नहीं पहनने वाले यात्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। जिला आयुक्त ने कहा कि चार लेन की सड़क का काम भी जनवरी से फिर से शुरू होगा। आयुक्त ने सड़क किनारे बने अस्थायी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हटाने का भी निर्देश दिया । अन्यथा, प्रशासन द्वारा दुकानों के विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा।

राज्यपाल ने लोगों को क्रिसमस की बधाई दी

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने क्रिसमस के शुभ अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। असम के लोगों को अपने सद्भावना संदेश में कटारिया ने कहा कि मैं क्रिसमस के अवसर पर विशेष रूप से ईसाई धर्म से जुड़े सभी लोगों और सामान्य रूप से सभी लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। राज्यपाल ने कहा कि क्रिसमस ईसा मसीह के जन्मदिन का उत्सव है और इस अवसर पर सभी को प्रभु यीशु की शिक्षाओं का पालन करना चाहिए और एक दयालु समाज-प्रेम, मानवता और करुणा से भरा समाज बनाने की दिशा में उनके प्रयासों को याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आइए हम इस अवसर का उपयोग मानव जाति के बीच प्रेम, शांति, मित्रता और सौहार्द और सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश फैलाने के लिए करें।

न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन को *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाले, पौष्टिक भोजन प्रदान करने की मान्यता हेतु भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा पूसी रेलवे के रंगिया मंडल के अधीन न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन को *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन से सम्मानित किया गया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि यह स्टेशन एफएसएसएआई द्वारा स्थापित दिशा-निर्देशों को पूरा करने में सक्षम हुआ है। यह दर्जा प्राप्त करने वाला पूसी रेलवे का 7वां रेलवे स्टेशन बना। यह प्रमाणन 13 दिसंबर, 2023 से 12 दिसंबर, 2025 तक की अवधि के लिए प्रदान किया गया है। इसके अलावा, यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन सुनिश्चित करने के अपने प्रयास में पूसी रेलवे ने भविष्य में कई और स्टेशनों को

fssai

New Bongaigaon Junction Railway Station

is certified as

Eat Right Station

सही भोजन. बेहतर जीवन.

as per guidelines established by Food Safety and Standards Authority of India

for the period of 13 December, 2023 to 12 December, 2025

Implementation Partner	Auditing Partner	Training Partner
Food Safety Dept. Guwahati Assam	MS Certification Services Pvt. Ltd.	Arunu Shiksha Evam Seva Samiti

एफएसएसएआई द्वारा *ईट राइट स्टेशन* के रूप में अहर्ता प्राप्त करने की योजना बनाई है, जिसके लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले पूसी रेलवे के अधीन गुवाहाटी, हरिश्चंद्रपुर, लुमडिंग, रंगिया, मरियानी और समसी रेलवे स्टेशनों को एफएसएसएआई द्वारा *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन से सम्मानित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि मानक खाद्य भंडारण और स्वच्छता विधियों का पालन करने वाले रेलवे स्टेशनों को एफएसएसएआई द्वारा *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन प्रदान किया जाता है। यह प्रमाणन एफएसएसएआई द्वारा उन रेलवे स्टेशनों को प्रदान किया जाता है, जो यात्रियों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में मानक स्थापित करते हैं। एफएसएसएआई-सूचीबद्ध तृतीय-पक्ष ऑडिट एजेंसी के निष्कर्ष पर स्टेशन को एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है। यह प्रमाणन *ईट राइट इंडिया* अभियान का हिस्सा है, जो एफएसएसएआई द्वारा सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली में बदलाव हेतु बड़े पैमाने पर किया गया एक प्रयास है।

रंगिया में कामरूप जिले की महिला समन्वय के सौजन्य से शक्तिरूपा सम्मेलन आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला महिला समन्वय के सौजन्य से रविवार को रंगिया में *शक्तिरूपा सम्मेलन* नामक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त वीरदत्त भवन प्रांगण में आयोजित एक दिवसीय यह कार्यक्रम महिलाओं के पंजीकरण के साथ सुबह 9 बजे प्रारंभ किया गया। मौके पर आयोजित उद्घाटन सत्र में कृष्णकांत संदिकै सरकारी संस्कृत महाविद्यालय की अध्यक्षा डॉ. विनीता भागवती ने निर्दिष्ट वक्ता के रूप में भाषण प्रदान किया। साथ ही रंगिया महाविद्यालय की अवसरप्राप्त अध्यापिका ममता लहकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। उद्घाटन सत्र में क्रमशः धुबड़ी जिला परिवहन अधिकारी पूरबी कलिता और पश्चिम चामता की चक्राधिकारी अर्पणा शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। सम्मेलन का दूसरा सत्र दोपहर 12 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक वर्तमान समय में महिलाओं की स्थिति, समस्याएं एवं हमारे करने योग्य विषय पर विभिन्न समूहों में चर्चा की गई। सम्मेलन के तीसरे तथा समापन सत्र में विवेकानन्द केंद्र की आजीवन कार्यकर्ता, प्रांत महिला प्रमुख अलका गौरी जोशी ने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर मुख्य भाषण दिया। सम्मेलन में करीब 300 से भी अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

लंका में गोलियों और तीन बंदूकों के साथ दो शिकारी गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट के लंका में दो शिकारियों को भारी मात्रा में गोलियों और तीन बंदूकों के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए दोनों शिकारियों की पहचान इमरान हुसैन और ऐनुल हक के रूप में हुई है। ये दोनों लंका के गांव नंबर एक और नंबर तीन में रहते हैं। लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट में अपने एक साथी अब्दुल कुद्दुस का गोलियों से छलनी शव मिलने के बाद से दोनों फरार थे। 17 दिसंबर को अब्दुल कुद्दूस के परिवार वालों ने दो सहयोगियों के साथ लंका के नखुटी पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि मृतक लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट में गायों की तलाश करते समय लापता हो गया था। पुलिस ने पूरी घटना की जांच की और आखिरकार उसके दोनों साथियों को ही गिरफ्तार कर लिया। लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट में अभियान के दौरान गोलियों सहित तीन हस्तनिर्मित बंदूकें बरामद की गईं। घटना की जांच की जा रही है।

वाणी और विचार जीवन के उत्पादक : आचार्य प्रमुख सागर

टैरो कार्ड से समस्या का समाधान कार्याशाला का आयोजन आज से

गुवाहाटी। फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में विराजमान आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने आज उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि बोलने की भी एक कला होती है, जिसे बोलने की कला आ जाए, समझो संसार की हर बला से वह बच सकता है। वक्ता प्रमाणिक तभी होता है, जब उसके वचनों में प्रमाणिकता, सत्ता, निश्चता आदि उदारता कि भावनाएं झलकती है। उन्होंने कहा की वाणी और विचार यह दोनों आपके जीवन के खुद के उत्पादक व खुद के प्रोजेक्ट है। ख्याल रखना बाणी-वानी का काम करे तो वीणा बन जाती है, और वाणी-वान का काम करे तो वीणा बन जाती है। मालूम हो कि भगवान महावीर धर्म स्थल में सोमवार से सायं 7.30 बजे से 8.30 बजे तक टैरो कार्ड से संबंधित एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आचार्य श्री की अनन्य भक्त *कुमारी कृति जैन* टैरो कार्ड से संबंधित रीडिंग के द्वारा लोगों के जिंदगी के कुछ ऐसे पन्नो को खोलने की कोशिश करेगी जिसे जानने के लिए सभी की जिज्ञासा बनी रहती है। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी ने बताया कि सात दिवसीय आध्यात्मिक शिक्षक शिविर के तहत आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में नि:शुल्क समस्या का समाधान किया जाएगा। यह जानकारी प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई है।

सैल्यूट तिरंगा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 26 को

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रहित के लिए चुपचाप कार्य कर रहे राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 26 दिसंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा देव की अध्यक्षता में नई दिली स्थित एनडीएनसी के सभागार में होगी। राज्य के अधिकारियों और मानद जिला अध्यक्षों और सचिवों सहित कुल 25 से 30 प्रतिनिधि प्रतिष्ठित दीप्ति दयाल खाउंड का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिन्हें असम प्रदेश सलामी तिरंगे की ओर से अटल तिरंगा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस महान आयोजन के एक भाग के रूप में नए भारत के दूरदर्शी भारत रत्न के जन्मदिन पर देश के विभिन्न हिस्सों से चुने गए राष्ट्र की सुरक्षा के क्षेत्र के अलावा विभिन्न माध्यमों से राष्ट्र की सेवा करने वाले 30 महान देशभक्तों को सैल्यूट तिरंगा द्वारा अटल तिरंगा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि दीप्ति दयाल खाउंड ने असम प्रदेश सैल्यूट तिरंगा द्वारा चुने गए विभिन्न माध्यमों से राष्ट्र की सेवा की है, उन्हें भी उक्त भव्य कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। असम प्रदेश सैल्यूट तिरंगा की ओर से बहुत उम्मीद है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा, राष्ट्रीय संरक्षक, सांसद मनोज तिवारी के साथ-साथ सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और विभिन्न राज्यों के सांसदों, मंत्रियों और विधायकों के महान प्रयासों से यह आयोजन संपन्न होगा।

उत्कृष्ट हिंदी लेखन कवि मानव को द्वितीय पुरुस्कार 2023 से सम्मानित

विश्वनाथ/ बंगाईगांव (विभास)। शक्ति ब्रिगेड साहित्य गंगा, कानपुर द्वारा स्टॉक एक्सचेंज सभागार, सिविल लाइंस, कानपुर में गुरुवार को आयोजित पुस्तक लोकार्पण व सम्मान समारोह में अखिल भारतीय लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त बंगाईगांव जिले के युवा कवि और हिंदी सेवी मानव को शॉल चद्दर, सारस्वत प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कानपुर में कार्यक्रम में कानपुर जिले के विधायक नीलिमा कटारिया, उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण, केंद्रीय विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य, मयुसुर, भोपाल, इत्यादि प्रांतों के कविगण पधारे। मानव दे हिंदी साहित्य संगठन, बंगाईगांव के संस्थापक सचिव के रूप में और विभिन्न साहित्य संस्थाओं से जुड़े हुए है। पुस्तक ग्रहण के बाद मानव को कवि, साहित्यप्रेमी ने हार्दिक शुभकामनाएं दी।

संपादकीया

पाक में चुनाव की उल्टी गिनती शुरू

लंबे इंतजार के बाद आखिर पाकिस्तान में 8 फरवरी को होने वाले आम चुनावों का कार्यव्रम जारी कर दिया गया। कार्यव्रम जारी होने के बाद राजनीतिक दलों ने राहत की सांस ली है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने शुक्रवार देर रात चुनाव जारी किया। इससे वुछ ही घंटों पहले उच्चतम न्यायालय ने आम चुनावों के लिए नौकरशाहों को निर्वाचन अधिकारी के रूप में नियुक्त करने के निर्वाचन आयोग के पैसले को स्थगित करने वाले लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) के निर्णय को खारिज कर दिया था। ईसीपी की अपनी सूचना के अनुसार, उम्मीदवार 20 दिसम्बर तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकन भरने वाले उम्मीदवारों के नाम 23 दिसम्बर को प्राकाशित किए जाएंगे और उनके दस्तावेजों की जांच 24 दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक की जाएगी। नामांकन पत्रों को खारिज या स्वीकार करने के निर्वाचन अधिकारी के पैसले के खिलाफ अपील दायर करने की अंतिम तिथि 3 जनवरी होगी। उम्मीदवारों की संशोधित सूची 11 जनवरी को प्राकाशित की जाएगी और उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 12 जनवरी है। मतदान 8 फरवरी को होगा। बता दें कि पाकिस्तान में नए परिसीमन के बाद नेशनल असेंबली में वुल 336 सीटें होंगी, इससे पहले इनकी संख्या 342 थी। पूरे पाकिस्तान में प्रांतीय असेंबली और संसद का चुनाव कराने की प्राव्रिया को पूरा करने में 54 दिन का वक्त लगेगा। हालांकि पहले की तरह पाकिस्स्तान में चुनावी माहौल ठंडा पड़ा हुआ है। तोशाखाना मामले में पूर्व प्राधानमंत्री इमरान खान को अगले 5 साल के लिए चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार दिया गया है। पिछले वुछ महीनों से चुनाव आयोग ने पीटीआईं (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) को निशाने पर ले रखा था और अंतर पाटा चुनाव को विवादित घोषित कर रद्द कर दिया। आयोग ने आतंरिक चुनाव कराने के लिए पाटा को 20 दिन का समय दिया और वो भी इस हिदायत के साथ कि अगर वो ऐसा करने में असफल रहती है तो इनका चुनाव चिह्न व्रिकेट बैट खो देगी। माना जा रहा है कि इमरान की पाटा टूट चुकी हैं और शायद ही चुनाव में खड़ी हो पाए। पाकिस्तान की दो पार्टियां कानूनी मोच्रे पर अपने वजूद का संघर्ष कर रही हैं। इमरान खान के अलावा नवाज शरीफ को कईं मामलों में 2018-19 में दोषी ठहराया जा चुका है और वे अपनी क्लीन चिट की कोशिश में जुटे हुए हैं। सिर्प हालात बदले हैं। पिछली बार नवाज शरीफ सेना के खिलाफ खड़े थे, इस बार निशाने पर इमरान खान हैं। सेना को पाकिस्तानी राजनीति का असली किंग मेकर माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि इमरान खान का भविष्य धुंधला है जबकि नवाज शरीफ अगले प्राधानमंत्री हो सकते हैं। अक्तूबर में जब से नवाज शरीफ पाकिस्तान लौटे हैं। कोईं बड़ी रैली नहीं की है, चुनाव से पहले वो अपने सारे केस रफा-दफा कराने में लगे हैं। चुनाव आयोग लगातार कह रहा है कि चुनाव तय समय पर होंगे लेकिन लगता है कि लोगों ने भरोसा खो दिया है हमने पहले की संसद भंग होने के 90 दिनों के अन्दर चुनाव कराए जाने की सीमा को तोड़ दिया है, इसलिए लोगों को भरोसा नहीं है। एक विश्लेषक का कहना है कि राज्य और इसके विषय के बीच भरोसे का बांध टूट चुका है, लोगों का मोह भंग है। हो सकता है कि चुनाव करीब आते-आते सियासी माहौल गर्म हो जाए पर फिलहाल तो यह ठंडा है।

नामांकन पत्रों को खारिज या स्वीकार करने के निर्वाचन अधिकारी के पैसले के खिलाफ अपील दायर करने की अंतिम तिथि 3 जनवरी होगी। उम्मीदवारों की संशोधित सूची 11 जनवरी को प्राकाशित की जाएगी और उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 12 जनवरी है। मतदान 8 फरवरी को होगा। बता दें कि पाकिस्तान में नए परिसीमन के बाद नेशनल असेंबली में वुल 336 सीटें होंगी, इससे पहले इनकी संख्या 342 थी। पूरे पाकिस्तान में प्रांतीय असेंबली और संसद का चुनाव कराने की प्राव्रिया को पूरा करने में 54 दिन का वक्त लगेगा। हालांकि पहले की तरह पाकिस्स्तान में चुनावी माहौल ठंडा पड़ा हुआ है। तोशाखाना मामले में पूर्व प्राधानमंत्री इमरान खान को अगले 5 साल के लिए चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार दिया गया है। पिछले वुछ महीनों से चुनाव आयोग ने पीटीआईं (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) को निशाने पर ले रखा था और अंतर पाटा चुनाव को विवादित घोषित कर रद्द कर दिया। आयोग ने आतंरिक चुनाव कराने के लिए पाटा को 20 दिन का समय दिया और वो भी इस हिदायत के साथ कि अगर वो ऐसा करने में असफल रहती है तो इनका चुनाव चिह्न व्रिकेट बैट खो देगी। माना जा रहा है कि इमरान की पाटा टूट चुकी हैं और शायद ही चुनाव में खड़ी हो पाए। पाकिस्तान की दो पार्टियां कानूनी मोच्रे पर अपने वजूद का संघर्ष कर रही हैं। इमरान खान के अलावा नवाज शरीफ को कईं मामलों में 2018-19 में दोषी ठहराया जा चुका है और वे अपनी क्लीन चिट की कोशिश में जुटे हुए हैं। सिर्प हालात बदले हैं। पिछली बार नवाज शरीफ सेना के खिलाफ खड़े थे, इस बार निशाने पर इमरान खान हैं। सेना को पाकिस्तानी राजनीति का असली किंग मेकर माना जाता है।

'डिया गठबंधन विपक्षी दलों के साथ चौथी बार फिर से दिल्ली में एक छत के नीचे आया

इंडिया गठबंधन सिर्फ बैठकें ही करता रहेगा या इन बैठकों का कुछ परिणाम भी निकलेगा

ललित गर्ग

लोकतंत्र की मजबूती के लिये सशक्त विपक्ष बहुत जरूरी है, लेकिन विपक्षी दलों की संकीर्ण सोच, सिद्धान्तविहीन राजनीति एवं सत्ता लालसा ने विपक्ष की राजनीति को नकारा कर दिया है। सोचा गया था कि इंडिया गठबंधन विपक्ष से जुड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी की लौ को फिर से प्रज्ज्वलित कर सकेगा और ऐसी सोच एवं राजनीतिक प्रणाली का निर्माण करेगा जो वास्तव में लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए हो। लेकिन ऐसा न होना इंडिया गठबंधन की बड़ी असफलता है और आने वाले वर्ष 2024 के लोकसभा में उसकी भूमिका टांय-टांय फिस ही होती हुई नजर आ रही है।

संसदीय अवरोध, विपक्षी दलों के 143 सांसदों के निलम्बन एवं उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने की घटनाओं से आक्रामक हुए राजनैतिक माहौल के बीच 28 पार्टियों का इंडिया गठबंधन विपक्षी दलों के साथ चौथी बार फिर से दिल्ली में एक छत के नीचे आया। बैठक का उद्देश्य था कि विपक्षी दलों के बीच सीट शेयरिंग एवं संयोजक के नाम पर सहमति सहित कई मुद्दों पर एक राय कायम करना। लेकिन इंडिया गठबंधन की इस बैठक में दल भले ही आपस में मिले, लेकिन दिल नहीं मिल पाये। लोकतंत्र की मजबूती के लिये सशक्त विपक्ष बहुत जरूरी है, लेकिन विपक्षी दलों की संकीर्ण सोच, सिद्धान्तविहीन राजनीति एवं सत्ता लालसा ने विपक्ष की राजनीति को नकारा कर दिया है। सोचा गया था कि इंडिया गठबंधन विपक्ष से जुड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी की लौ को फिर से प्रज्ज्वलित कर सकेगा और ऐसी सोच एवं राजनीतिक प्रणाली का निर्माण करेगा जो वास्तव में लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए हो। लेकिन ऐसा न होना इंडिया गठबंधन की बड़ी असफलता है और आने वाले वर्ष 2024 के लोकसभा में उसकी भूमिका टांय-टांय फिस ही होती हुई नजर आ रही है। क्योंकि चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन में एकजुटता की बातें हवा हो रही हैं। न संयोजक और न ही प्रधानमंत्री और न ही नरेन्द्र मोदी के सामने कौन चुनाव लड़े, के नाम पर सहमति बन पायी है। आज दुनियाभर में लोकतंत्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। भारत में विपक्ष की नकारात्मक स्थितियों के कारण यह संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका कारण है विपक्ष से जुड़े संस्थानों, राजनीतिक हस्तियों और लोकतांत्रिक निर्णयों का आधार बनने वाली प्रणालियों पर धीरे-धीरे कम हो रहा भरोसा। विश्वास का यह संकट तत्काल कार्रवाई की मांग करता है। आज हमें विपक्षी राजनीतिक तंत्र पर मौलिक विचार मंथन के बाद पुनर्मूल्यांकन कर इन्हें पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है ताकि बदलती हुई सामाजिक एवं राष्ट्रीय जरूरतों के साथ सामंजस्य स्थापित किया जा सके और सरकार एवं शासन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकें जिसमें राजनीतिक प्रक्रियाओं का नहीं बल्कि नागरिकों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का महत्त्व हो। इंडिया गठबंधन की प्रथम अपेक्षा है कि इससे जुड़े सभी दलों में आपसी सहमति एवं एकजुटता बने। लेकिन चौथी बैठक में ऐसा होता हुई नहीं दिखा। सबसे खास बिहार के मुख्यमंत्री और इंडिया गठबंधन की नींव रखने वाले नीतीश कुमार ने जल्द से जल्द सीट शेयरिंग के मुद्दे पर आम सहमति बनाने की अपील की, लेकिन जिस बात का डर शुरू से था वही हुआ। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक ऐसा प्रस्ताव रख दिया, जिससे विपक्षी एकजुटता में सेंध लगी और राजनीतिक माहौल गरमा गया। ममता दीदी ने चाल

चलते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रधानमंत्री/संयोजक पद के लिए रख दिया जबकि इस नाम के लिए नीतीश प्रारंभ से लामबंदी कर रहे थे। खड़गे का नाम सुनते ही ना सिर्फ नीतीश बल्कि नीतीश के नाम के पीछे अपने बेटे तेजस्वी का भविष्य तलाशने वाले लालू यादव भी नाराज हो गए। नाराजगी ऐसी कि दोनों दिग्गज लालू और नीतीश कुमार गठबंधन की बैठक के बीच से ही निकल गए और साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी शामिल नहीं हुए। ऐसे में ये भी सवाल उठता है कि क्या गठबंधन में सिर्फ बैठकें होंगी या फिर कुछ निष्कर्ष भी निकलेगा। क्या गठबंधन लोकसभा चुनाव की कोई प्रभावी एवं सार्थक चुनावी प्रक्रिया तय कर पायेगा? क्योंकि लोकसभा चुनाव में अब 6 महीने से भी कम का समय बचा है। मोदी के रथ पर सवार बीजेपी को हराने के लिए इंडिया गठबंधन ऐड़ी चोटी का जोड़ तो लगा रही है, लेकिन सभी दल एक मुद्दे पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन कोरा सत्ता के लिए प्रयत्नशील हैं लेकिन लोकतांत्रिक आदर्श के लिए नहीं। ऐसा माना जाता है कि सत्ता समझौतों पर टिकी होती है और आदर्श सिद्धांतों पर। दोनों में संतुलन और सामंजस्य की स्थितियां दुर्लभ होती जा रही हैं। विपक्षी दल चाहे कितनी ही समस्याएं पैदा करते हों, लेकिन अगर वे अलग-अलग मुद्दों से ज्यादा नीतिगत प्रश्नों पर ध्यान दें तो उन्हीं के जरिए लोगों को आकर्षित कर सकते हैं। कोई भी दल सत्ता में आने के लिए गठबंधन तब करता है जब अकेले सरकार बनाने या जीतने की स्थिति में नहीं होता। लेकिन आदर्शवादी राजनीतिक सोच इसे सत्तामोह और समझौतावाद कहते हैं। इसका अर्थ यह है कि सिद्धांतवादी दलों को किसी से गठजोड़ नहीं करना चाहिए, भले उसका परिणाम राजनीतिक असफलता ही क्यों न हो। लेकिन राजनीति में गठबंधन एक विवशता बनती जा रही है, क्योंकि किसी भी विपक्षी दल में सिद्धान्त एवं मूल्यों की राजनीति करने का माद्दा नहीं उभर पा रहा है। इंडिया गठबंधन लोकतंत्र की ताकत बनना चाहिए क्योंकि इसने एकदलीय सत्ता का युग खत्म होने के बाद राजनीतिक अस्थिरता और खर्चीले चुनावों के खतरे के प्रति सचेत होकर गठबंधन की सीख बहुत जल्दी ले ली। लेकिन गठबंधन की बुनियादी सोच को विकसित किये बिना ऐसा करना जल्दबाजी एवं सत्ता मोह का निर्णय ही अधिक प्रतीत हो रहा है जिसका कोई सार्थक परिणाम आता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। भले ही विपक्षी दल सिद्धांत और विचारधारा के बदले आर्थिक विकास और व्यापार-रोजगार जैसे नारों से लोगों को लुभा लें। लेकिन ऐसा करते हुए वे अवसरवाद की पुष्टि और विचारधारा के अवमूल्यन के लिए उदाहरण ही प्रस्तुत करते हैं। ऐसे दलों के नेताओं का चरित्र एवं साख भी कोई प्रभावी रंग नहीं दिखा पाती। वे एक दल से दूसरे दल में बेहिचक आते-जाते हैं, पितृदल छोड़ कर नए-नए दल बनाते हैं। यह सब राजनीतिक विचारधारा के अंत का सूचक है। यह देश का दुर्भाग्य है कि राजनीति में सिद्धांतों और मूल्यों की बातें मजाक होकर रह गई हैं। बड़ी सोच एवं बड़ी दृष्टि इन विपक्षी दलों में पनप ही नहीं पा रही है। इंडिया गठबंधन में कुछ संभावना बनी थी, लेकिन उसमें भी न तो बड़ी दृष्टि है न देश की सही समझ और न ही बड़ी लड़ाई लड़ने का दम और जीवट दिखाई पड़ता है। अगर वाकई देश को राजनीतिक विनाश के रास्ते से हटा कर सही एवं सकारात्मक रास्ते पर लाना है तो जीवट नेतृत्व की अपेक्षा है। ऐसा विपक्षी नेतृत्व उभरे जिसमें समझ और तप दोनों का समावेश हो। राष्ट्र एवं समाज को विनम्र करने का हथियार मुद्दे या लॉबी नहीं, पद या शोभा नहीं, ईमानदारी है। और यह सब प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ सौदा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह भी एक सच्चाई है कि राष्ट्र, सरकार, समाज, संस्था व संविधान ईमानदारी से चलते हैं, न कि झूठे दिखावे, आश्वासन एवं वायदों से। दायित्व और उसकी ईमानदारी से निर्वाह करने की अनभिज्ञता संसार में जितनी क्रूर है, उतनी क्रूर मृत्यु भी नहीं होती। मनुष्य हर स्थिति में मनुष्य रहे। अच्छी स्थिति में मनुष्य मनुष्य रहे और बुरी स्थिति में वह मनुष्य नहीं रहे, यह मनुष्यता नहीं, परिस्थिति की गुलामी है। हमारा विपक्षी नेतृत्व अपने पद की श्रेष्ठता और दायित्व की ईमानदारी को व्यक्तिगत अहम्‌ से ऊपर समझने की प्रवृत्ति को विकसित कर मर्यादित व्यवहार करना सीखें अन्यथा शतरंज की इस बिसात में यदि प्यादा वज़ीर को पीट ले तो आश्चर्य नहीं। बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? खीर को ठण्डा करके खाने की बात समझ में आती है पर बासी होने तक ठण्डी करने का क्या अर्थ रह जाता है? लोगों के दिलों को जीतने की राजनीति ही सार्थक परिणाम लाती है, विपक्षी दल यह बात भूल कर कब तक अंधेरे में तीर चलाते रहेंगे। विपक्षी दलों को लोगों के विश्वास का उपभोक्ता नहीं अपितु संरक्षक बनना होगा। भारत न केवल अपने आकार के कारण, बल्कि तेजी से बदलती दुनिया में अनुकूलन और पनपने की अपनी क्षमता के कारण दुनिया की एक महाशक्ति बन रहा है।

दृष्टि कोण

21वीं शताब्दी में दुनिया झेल रही है समुद्री लुटेरों का आतंक

गैलेक्सी पर फिल्मी अंदाज में किया गया हमला और इसके बाद इजरायल को धमकियां देना, इस बात का सबूत है कि आज के जमाने के समुद्री लुटेरे सिर्प धन ही नहीं लूटते बल्कि दुनिया की सुरक्षा का खतरा बनने के लिए राजनीति भी करते हैं। यह 19 नवंबर 2023 का एक सामान्य दिन था। तरुकिये से एक कागरे जहाज भारत आ रहा था। अचानक इस मालवाहक जहाज 'गैलेक्सी लीडर' पर एक हेलिकॉप्टर उतरता है और उसके अंदर से वुछ हथियारबंद लोग निकलते हैं। जहाज का 'व्रू' वुछ समझ पाता, इसके पहले ही चालक दल के 25 सदस्यों को हथियारबंद लोग अगुवा कर लेते हैं और मालवाहक जहाज को अपने इशारे पर यमन के बंदरगाह ले जाते हैं। आपको भले लग रहा हो कि यह हॉलीवुड की किसी फिल्म की पटकथा है, जिसमें समुद्र में सफर कर रहे जहाज पर हमला होता है। जी नहीं, यह कोईं फिल्मी पटकथा नहीं बल्कि गुजरे महीने घटी एक ऐसी जहाज अपहरण की घटना है, जो हाल के दिनों में काफी आम हो गईं है। सुनने में भले अजीब लगे, लेकिन समुद्री डवैतियां

अभी भी हकीकत हैं। इन दिनों समुद्री डवैतों के जिस एक गिरोह ने पूरी दुनिया को चिता में डाल रखा है, वह यमन के हूती विद्रोहियों का गुट है, जिसे ईंरान का समर्थन हासिल है। समुद्री जहाजों का अपहरणकर्ता यह इतना ताकतवर गुट है कि लाल सागर से गुजर रहे जहाजों पर ड्रोन से हमला करता है, हेलिकॉप्टर से उड़ान भरकर बीच समुद्र में उनका अपहरण कर लेता है और हद तो यह है कि इसके पास हाईंरेंज गन भी मौजूद हैं, जिनसे यह सुरक्षा के वास्ते आ रहे हेलिकॉप्टरों और लड़ावू जहाजों पर हमला भी बोल देता है। साल 2014 से गृहयुद्ध में उलझे यमन का यह एक ऐसा विद्रोही गुट है, जिसने 21वीं सदी में समुद्री व्यापार को न सिर्प असुरक्षित कर दिया है बल्कि अपनी हरकतों से बाजार में असुरक्षा का माहौल बना दिया है। इसकी इन आपराधिक वारदातों के कारण दुनिया में महंगाईं बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है और अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में बाधा खड़ी होने की स्थितियां हो गईं हैं। यही वजह है कि अब अमेरिका और भारत के नेतृत्व में कईं सारे देश मिलकर लाल सागर की सुरक्षा को गंभीरता से ले रहे हैं। गुजरे 26 सितंबर 2023 को नईं दिल्ली में आयोजित 13वें हिद प्रशांत सेना प्रमुखों के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने साफ शब्दों में इन घटनाओं पर चिता व्यत्त करते हुए कहा था कि भारत प्रशांत क्षेत्र की जटिलताओं से निपटने के लिए तैयार है। राजनाथ सिह ने समुद्री डवैतियों और अपहरण की घटनाओं पर चिता व्यत्त करते हुए कहा था कि हिद प्रशांत अब केवल समुद्र निर्माण नहीं है बल्कि यह एक भू-रणनीतिक रचना है, इसलिए इस क्षेत्र के सभी समुद्री सीमा विवादों और समुद्री डवैती सहित सुरक्षा चुनौतियों जैसी जटिलताओं से निपटना होगा। इस क्षेत्र के लिए बने सिद्धांत 'सर्वल ऑफ वंशर्न' के चलते ही इसी 16 दिसंबर 2023 को अमरीकी नेवी ने हूती विद्रोहियों पर करारा हमला करते हुए, उसके 12 से ज्यादा ड्रोन को मार गिराया है। अमरीकी न्यूज चैनल सीएनएन ने इसकी रिपरेटिग करते हुए कहा है कि हूती विद्रोहियों के लगातार सिरदर्द के बाद अमेरिकी वॉरशिप लाल सागर में पूरे एक्शन में आ गया है। गौरतलब है कि अमरीकी नेवी के इस एक्शन के बाद अमरीकी डिपेंस मिनिस्टर लॉयल ऑस्टिन ने कहा है कि लाल सागर में सिर्प इजरायल या अमरीका को ही नहीं, हर उस देश को खतरा है, जो आज की तारीख में वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है। दरअसल पिछले नवंबर महीने में हूती विद्रोहियों ने तरुकिये से भारत आ रहे गैलेक्सी लीडर मालवाहक जहाज का इसलिए अपहरण कर लिया था, क्योंकि उसे लग रहा था कि यह इजरायल का जहाज है। लेकिन यह जहाज इजरायल का नहीं था और न ही इसमें कोईं इजरायली स्टाफ था। जहाज में बहुत मामूली सा शेयर भले एक इजरायली के पास भी है।

कुछ अलग

संभावनाएं और सिलसिले

इंडिया ब्लॉक भारतीय मतदाताओं के सामने अपनी संरचना और सिद्धांतों का कोई ठोस प्रारूप पेश कर पाएगा? इस लिहाज से उसकी पिछली तीन बैठकें निराशाजनक साबित हुई हैं। पता नहीं, इस युति के नेता जानते हैं या नहीं कि इस बार वे अगर कोई ठोस एजेंडा पेश करने में कामयाब नहीं रहते हैं, तो उन्हें अगले चुनाव में पहले से ज्यादा बड़ी हार का सामना करना पड़ सकता है। वक्त इस वक्त उनके पक्ष में नहीं है। पिछली 3 दिसंबर को जब हिंदी-पट्टी के तीन विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित हुए, तो तमाम चुनाव शास्त्री भौंचक रह गए। भाजपा ने क्षेत्रीय क्षत्रपों को दरकिनार कर यह चुनाव लड़ा था। पार्टी को जबरदस्त सफलता हासिल हुई। ये तीनों राज्य पिछले चुनाव में भगवा दल के हाथ से सरक गए थे। भारतीय राजनीति में बरसों बाद किसी सत्तानायक के प्रति मतदाताओं का ऐसा जबरदस्त समर्थन देखने को मिला। इंदिरा गांधी के बाद लोग भूल गए थे कि क्षत्रपों को दरकिनार कर सूबाई चुनावों में महज प्रधानमंत्री के काम और नाम पर भी बहुमत अर्जित किया जा सकता है। यहां मैं मिजोरम की चर्चा नहीं कर रहा, क्योंकि वहां भाजपा की दावेदारी परंपरागत तौर पर कमजोर थी। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान के फैसले एक और तथ्य की मुनादी करते हैं। पिछले 10 सालों में ऐसा कई बार हुआ था, जब मतदाताओं ने प्रदेश के लिए एक, तो देश के लिए दूसरी पार्टी का चयन किया। ये तीनों राज्य भी पांच बरस पहले इसी प्रवृत्ति को बल प्रदान करने वाले साबित हुए थे। विधानसभा चुनाव गंवाने के बाद राजस्थान और छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 36 में से 34 सीटें भगवा दल के कब्जे में आ गई थीं। उत्तर और पश्चिम भारत के अन्य राज्यों का भी यही रवैया था। मोदी इसीलिए मई 2019 में पहले से अधिक बेहतर बहुमत के साथ चुने गए थे। भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर बहुमत हासिल करने के इस चमत्कार को न केवल दोहराना चाहती है, बल्कि और बेहतर तरीके से उस पर सान चढ़ाना चाहती है। नए मुख्यमंत्रियों से भाजपा को नुकसान के बजाय लाभ इसलिए मिल सकता है, क्योंकि उनके प्रति जनता के मन में कोई अरुचि नहीं है। वे नई दिल्ली के आदेशों का जस का तस अनुपालन करने में भी कोई संकोच नहीं करेंगे। राजनीति का पुराना दस्तूर है कि जब एक मुख्यमंत्री कई बार सत्ता संभाल चुका होता है, तो उसके दिमाग पर हुकूमत का एक निश्चित तौर-तरीका कब्जा जमा लेता है। नए सोच-विचार और प्रयोग उसे जोखिम नजर आने लगते हैं। इसके उलट पहली बार कामकाज संभाल रहे मुख्यमंत्री बेहिचक कठोर फैसले लेने में कामयाब रहते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के हिमंत बिस्वा सरमा और दिल्ली के अरविंद केजरीवाल इसके उदाहरण हैं। इन तीनों ने अपने-अपने राज्य में नई रीति-नीति का सूत्रपात किया। क्या रायपुर, भोपाल और जयपुर में हमें यह प्रवृत्ति पांव पसारती नजर आएगी? इन तीनों स्थानों पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर प्रधानमंत्री ने जनता को जता दिया कि वह 'मोदी की गारंटी' मामले में इन मातहतों पर कड़ी निगरानी रखेंगे। पता नहीं, कांग्रेस के लोग ऐसा सोचते हैं या नहीं, लेकिन उन्हें रेवंत रेड्डी जैसा प्रयोग तीनों हिंदीभाषी राज्यों में करना चाहिए था। इससे चुनाव प्रचार को ताजगी मिलती और जरूरत के अनुरूप निर्णय बदलने में भी संकोच नहीं किया जाता। अनिर्णय और यथास्थितिवाद कांग्रेस की सबसे बड़ी दिक्कत है। राजस्थान में पिछली बार के सत्तारोहण के पहले से अशोक गहलोत और सचिन पायलट उलझे हुए थे। इस टकराव को दूर नहीं किया जा सका।

देश दुनीया से

लोकतंत्र को महत्व देता है भारत, काबुल में तालिबान को नहीं कोई तरजीह

अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों के साथ भारत बेहद सौहार्दपूर्ण संबंध रखता है, जैसे कि उसके पूर्व अफगान राष्ट्र पति हामिद करजई से थे, जो भारत और पाकिस्तान, दोनों जगह रह चुके थे। ऐसे ही वाशिंगटन से आकर अफगान राष्ट्र पति का ओहदा संभालने वाले अशरफ गनी के साथ भी भारत के बेहद अच्छे रिश्ते थे। गनी ने तो भारत और अफगानिस्तान के बीच सीधे व्यापारिक संपर्क के लिए पाकिस्तान पर जमीनी मार्ग खोलने का दबाव भी बनाया था। लेकिन जब भी तालिबान ने काबुल में सरकार बनाई, ऐसा दो बार हो चुका है, भारत कूटनीतिक रूप से पीछे हट गया। ऐसे में, स्थिति पर बारीक नजर तो उसने रखी, लेकिन कूटनीतिक संबंध स्थापित करने की उसने जरा भी इच्छा नहीं जताई। मुझे याद है, वर्ष 2015 में जब अशरफ गनी सत्ता में थे, तब भारत ने अफगानिस्तान के संसद भवन के निर्माण में योगदान कर काबुल को लोकतंत्र से संबंधित एक प्रतीकात्मक उपहार दिया था।

भारत की अफगानिस्तान नीति को मैं बहुत ध्यान से देखती हूं, क्योंकि ये दोनों ही देश हमारे पड़ोसी हैं, और इन दोनों के आपसी संबंधों का असर पाकिस्तान पर भी कमोबेश पड़ता है। मेरे विचार से भारत की काबुल नीति बेहद चतुर और जमीनी है। अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों के साथ भारत बेहद सौहार्दपूर्ण संबंध रखता है, जैसे कि उसके पूर्व अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई से थे, जो भारत और पाकिस्तान, दोनों जगह रह चुके थे। ऐसे ही वाशिंगटन से आकर अफगान राष्ट्रपति का ओहदा संभालने वाले अशरफ गनी के साथ भी भारत के बेहद अच्छे रिश्ते थे। गनी ने तो भारत और अफगानिस्तान के बीच सीधे व्यापारिक संपर्क के लिए पाकिस्तान पर जमीनी मार्ग खोलने का दबाव भी बनाया था। लेकिन जब भी तालिबान ने काबुल में सरकार बनाई, ऐसा दो बार हो चुका है, भारत कूटनीतिक रूप से पीछे हट गया। ऐसे में, स्थिति पर बारीक नजर तो उसने रखी, लेकिन कूटनीतिक संबंध स्थापित करने की उसने जरा भी इच्छा नहीं जताई। मुझे याद है, वर्ष 2015 में जब अशरफ गनी सत्ता में थे, तब भारत ने अफगानिस्तान के संसद भवन के निर्माण में योगदान कर काबुल को लोकतंत्र से संबंधित एक प्रतीकात्मक उपहार दिया था। उस संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां थे। तब मैंने वरिष्ठ भारतीय कूटनीतिज्ञ जेपी सिंह को बधाई दी थी, जो तब इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग में पदस्थापित थे। जेपी सिंह वही व्यक्ति हैं, जिन पर भारतीय कमांडर कुलभूषण जाधव की मां और बीवी के बेहद मुश्किल भरे पाकिस्तान दौरे में देखभाल की जिम्मेदारी थी। जाहिर है, भारत द्वारा अफगानिस्तान में संसद भवन के निर्माण का दायित्व संभालना दोतरफा रिश्तों में एक असाधारण कदम था, खासकर तब, जब युद्धजर्जर अफगानिस्तान को संसदीय लोकतंत्र का अनुभव बहुत कम है। लोकतंत्र के उस शानदार उपहार को, जिसमें मुगल व आधुनिक स्थापत्य के तत्व हैं तथा जिसकी पहचान एशिया के सबसे लंबे गुंबद के रूप में है, आज उसके हाल पर छोड़ दिया गया है, क्योंकि अफगानिस्तान की सत्ता पर आज जिनका शासन है, वे चुनावी लोकतंत्र में यकीन ही नहीं करते। संसद से याद आया कि हाल ही में भारतीय संसद में सुरक्षा चूक की एक घटना हुई। इससे पहले वर्ष 2001 में भी पांच सशस्त्र आतंकवादी भारतीय संसद के दरवाजे तक पहुंच गए थे। लेकिन सशस्त्र बलों ने बहादुरी का परिचय देते हुए आतंकियों को मार गिराया था। उसमें दिल्ली पुलिस के छह जवान, संसदीय सुरक्षा से जुड़े दो लोग और एक माली शहीद हुए थे। भारतीय संसद पर आतंकी हमले की वह घटना बेहद निंदनीय थी। उस हमले के बाद मैंने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायुक्त कैप्टन गोपालस्वामी पार्थसारथी से मुलाकात की थी। वह क्षोभ और गुस्से से भरे हुए थे और कह रहे थे कि लोगों को यह समझना चाहिए कि हमारी संसद पर हुआ हमला हमारी मातृभूमि पर हमले की तरह है। संसद पर हमले के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक रिश्ता बुरी तरह प्रभावित हुआ, और दोनों ही देशों के उच्चायुक्तों को वापस बुला लिया गया था। पिछले कुछ दशकों में एक पत्रकार के तौर पर इस्लामाबाद में मैंने कई भारतीय उच्चायुक्तों से मुलाकात और बातचीत की। भारत ने हमेशा ही अपने काबिल राजनयिकों को उच्चायुक्त के तौर पर पाकिस्तान भेजा, जिनमें से कई विदेश सचिव भी हुए। पाकिस्तान में काम करने वाले अपने भारतीय पत्रकार मित्रों से मैं गाहे-बगाहे मजाक भी कर लेती थी कि इस्लामाबाद में पदस्थापित कौन भारतीय उच्चायुक्त विदेश सचिव बनेंगे, और किनके न बनने के आसार हैं। आश्चर्यजनक रूप से मेरे अनुमान ज्यादतर सही साबित हुए। कैप्टन गोपालस्वामी पार्थसारथी के बारे में पूछे जाने पर मैंने कहा था कि उनके विदेश सचिव बनने की संभावना नहीं है। उसकी वजह भी थी। वर्ष 2001 में भारत-पाकिस्तान के राजनयिक रिश्ते खराब होने से पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग में आमंत्रित किए गए पाकिस्तानी पत्रकारों के साथ उनका संवाद अपेक्षित नहीं था। यहीं पर मुझे एक दूसरे भारतीय उच्चायुक्त टीसीए राघवन की याद आती है। उनके समय में ही मुंबई में भीषण आतंकवादी हमला हुआ था। वह इतनी बर्बर, जघन्य और निंदनीय घटना थी कि जब मुंबई हमले के मुख्य दोषी अजमल कसाब को पकड़ा गया, तब पाकिस्तान में न तो उसके मां-बाप ने या दूसरे किसी ने उसे रिहा करने की वकालत की। जब कसाब को उसके जुर्म के लिए फांसी दी गई, तब पाकिस्तान में लोगों ने राहत की सांस ली।

आप का नजरीया

स्वस्थ आहार की लागत और पोषण के लिए विविधता की जरूरत

दुनिया जिन विविध संकटों का सामना कर रही है, उनमें पर्यावरणीय, सामाजिक, तकनीकी एवं आर्थिक संकट प्रमुख हैं। इनका संयुक्त प्रभाव भविष्य में अधिक तीव्रता के साथ अप्रत्याशित झटकों का कारण बन सकता है। ऐसे में कई विशेषज्ञों का कहना है कि भारत उच्च विकास दर और मध्यम दर्जे की मुद्रास्फीति के साथ नए वर्ष 2024 में प्रवेश कर रहा है। मगर आशावादियों को भी मानना होगा कि भारत बेशक प्रगति की राह पर अग्रसर है, पर आम लोगों को अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्रदान करने के लिए अभी हमें लंबा रास्ता तय करना होगा। हमारे भविष्य की तस्वीर इसी बात पर निर्भर करेगी कि हम किन चीजों पर बात करते हैं, हमारी प्राथमिकताएं क्या हैं। हाल के दशकों में भारत ने महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति की है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि देश के एक बड़े वर्ग को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। जब हम भविष्य की तरफ देखते हैं, तो कई सवाल खड़े होते हैं। एक महत्वपूर्ण मुद्दा भोजन है। हम आज जो खाते हैं, वह व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर हमारे भविष्य से जुड़ा हुआ है। हालांकि शहरी भारत में बढ़ते मोटापे और इसके परिणामस्वरूप जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों को काफी महत्व दिया जाता है, पर सच्चाई यह है कि कुल मिलाकर हम अल्पपोषित लोगों का देश हैं। इस अल्पपोषण का प्रभाव स्वास्थ्य एवं पोषण से परे आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर भी पड़ता है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा एशिया ऐंड पैसिफिक-रीजनल ओवरव्यू ऑफ फूड सिक्योरिटी ऐंड न्यूट्रीशन, 2023 शीर्षक से जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि भोजन, चारा और ईंधन की कीमतों और वैश्विक महामारी से उबरने की धीमी गति ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहले से ही कमजोर लाखों लोगों के स्वास्थ्य एवं आजीविका को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। एफएओ की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 में दक्षिण एशिया में ऐसे लोगों की संख्या सर्वाधिक (1.4 अरब) थी, जो स्वस्थ आहार का खर्च वहन नहीं कर सकते थे। भारत में वर्ष 2020 में 76.2 फीसदी लोग स्वस्थ भोजन का खर्च उठाने में असमर्थ थे। हालांकि 2021 में स्थिति थोड़ी सुधरी, लेकिन तब भी 74.1 फीसदी भारतीय स्वस्थ एवं पोषक आहार पाने में असमर्थ थे। अगर हम एक विकसित राष्ट्र बनना चाहते हैं, तो हमें खुद को बेहतर देशों से बेहतर बनने की कोशिश करनी चाहिए, न कि अपने से खराब या दक्षिण एशिया के अन्य देशों से तुलना करनी चाहिए। हम पद्धतियों और परिभाषाओं पर बहस कर सकते हैं, लेकिन जब तक हम यह स्वीकार नहीं करते कि हर भारतीय को स्वस्थ आहार उपलब्ध कराने के लिए हमें जमीनी स्तर पर बहुत काम करना होगा, जब तक हम अपने भविष्य को कमजोर करते रहेंगे। मोदी सरकार द्वारा चलाई गई मुफ्त राशन योजना 80 करोड़ से ज्यादा लोगों की मदद कर रही है। इसने बहुत से लोगों को भुखमरी और अकाल से दूर किया है।

सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मोत्सव : मुकेश

जयपुर (हिंस)। भाजपा कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंति सुशासन दिवस के रूप में सोमवार 25 दिसंबर को मनाई जाएगी। पार्टी कार्यालय में सोमवार सुबह 9.30 बजे आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अटल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इस कार्यक्रम में सांसद, विधायकों के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेतागण मौजूद रहेंगे। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंति पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेशभर में बूथ स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान बूथ स्तर पर अटल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही अटल जी की कविताओं का काव्यांजलि तथा रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राजस्थान में डबल इंजन सरकार बनी, अब योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को मिलेगा : केंद्रीय मंत्री शेखावत

जैसलमेर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में अब भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनी है। प्रदेश में तेजी से विकास कार्य होंगे और बिना किसी भेदभाव के सभी पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। शेखावत रविवार को जैसलमेर जिले के रामदेवरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आशाओं का सूर्योदय हुआ है। भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनी है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जो अड़चनें राजनीतिक द्वेश के चलते आ रही थीं, वह दूर होंगी। अब पात्र लोगों को मोदीजी की योजनाओं का मेरिट के आधार पर लाभ मिलेगा। शेखावत ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद देश आजाद हुआ। इस संघर्ष में लाखों लोगों ने अपनी कुर्बानी दी। स्वतंत्रता सेनानियों को इस बात की प्रेरणा थी कि आजाद होने के बाद अपनी सरकार चुनने का सौभाग्यपूर्ण अवसर मिलेगा, लेकिन आजादी के बाद जिस गति से सरकारों को काम करना चाहिए, उस गति से नहीं हुआ। इसके कारण जनता को सरकारों से निराशा होने लगी। सरकारों की आदत अभावों में काम करने की पड़ गई थी। इसलिए सरकारी योजनाओं का उपयोग वोटों के लिए होकर रह गया। योजनाओं का लाभ संपूर्ण जनता को नहीं मिल पाता था। गरीब व्यक्ति जिसके लिए योजना बनी थी, वह विकास के दिए को टिमटिमाते हुए देखता था। शेखावत ने कहा कि जो पंचायतें केंद्र सरकार की संपूर्ण योजनाओं में क्षेत्र के सौ प्रतिशत पात्र लोगों का लाभ दिलाएंगी, उस पंचायत को सांसद विकास कोष से दस लाख का अतिरिक्त फंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं विधायक जी से भी अनुरोध करूंगा कि वे इस प्रकार की घोषणा करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे गांवों में जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं के पात्र व्यक्तियों का पता लगाएं और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करें। शेखावत ने कहा कि रामदेवरा को आदर्श ग्राम योजना में शामिल किया था। आज सरपंच महोदय की वजह से यहां करोड़ों के काम हुए हैं, लेकिन आदर्श गांव वह होगा, जो अपराध मुक्त हो और नशामुक्त हो। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है। पूरी दुनिया इस बात को स्वीकार करने लगी है। कोरोना काल में भी भाजपा कार्यकर्ता जनता की सेवा में लगे रहे। कोरोना का टीका सबसे पहले भारत में बना। इससे पहले पोलियो का टीका भारत पहुंचने में तीस साल लग गए थे। यह मोदीजी की सरकार है। इसमें सब कुछ मुमकिन है।

हरियाणा सरकार का दावा

स्कूलों में सुविधाओं के शपथ पत्र से हाई कोर्ट संतुष्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के विपक्षी दलों की ओर से सरकारी स्कूलों में सुविधाओं का मुद्दा उठाए जाने के बाद प्रदेश सरकार ने इस संबंध में पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसी शपथ पत्र का हवाला देकर सरकार ने रविवार को दावा किया है कि स्कूलों में किए गए प्रबंधों पर हाई कोर्ट ने संतुष्टि व्यक्त की है। शिक्षा विभाग ने रविवार को चंडीगढ़ में बताया कि हाई कोर्ट में दायर शपथ पत्र पर कोर्ट ने संतोष जताते हुए अधिकारियों को व्यक्तिगत उपस्थिति में छूट दी है। शपथ पत्र में सरकार ने बताया है कि स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के लिए शौचालयों के साथ-साथ बिजली कनेक्शन से संबंधित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवा दी गई हैं। शपथ पत्र में अतिरिक्त कक्षाओं और अन्य कमरों के निर्माण के लिए बजटीय आवंटन का विवरण भी है, जिसमें इन आवश्यक कार्यों को पूरा करने के लिए एक क्रम में समय सीमा दी गई है। इसके अलावा हरियाणा शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव ने आश्वासन दिया है कि स्कूलों में शिक्षकों की रिक्तियों की स्थिति को प्राथमिकता से देखा जा रहा है। राज्य के स्कूलों में भर्ती प्रक्रिया और रिक्तियों के संबंध में कोर्ट के सामने अगली सुनवाई से पहले एक रिपोर्ट दी जाएगी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी को होगी। सरकार ने दावा किया है कि स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए एक याचिका में पिछली सुनवाई के दौरान किसी वजह से नया हलफनामा कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका था, जिसके बाद हाई कोर्ट ने इस संबंध में 23 नवंबर को अंतरिम आदेश पारित कर दिया, जबकि सारी कमियां पूरी की जा चुकी थी। उन सभी स्कूलों में पीने का पानी, शौचालय और बिजली की सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई थी, जहां इनकी कमी थी।

आम आदमी पार्टी की बदलाव यात्रा पहुंची कैथल, शहर में निकला रोड शो

पंजाब के मंत्री चेतन सिंह जोड़ामाजरा ने भी लिया रोड शो में हिस्सा

कैथल (हिंस)। रविवार को आम आदमी पार्टी की बदलाव यात्रा का रोड शो प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा के नेतृत्व में कैथल के चंदाना गेट से रेलवे गेट, गीता भवन मंदिर, कोठी गेट से होते हुए शहीद स्मारक पर समाप्त हुआ। उनके साथ पंजाब कैबिनेट मिनिस्टर चेतन सिंह जोड़ामाजरा, जिला अध्यक्ष सरदार गज्जन सिंह, मास्टर सतबीर गोयत, एडवोकेट राकेश, सोनिया शर्मा, एडवोकेट नीरज शर्मा, ईशम सिंह और स्वामी कृष्णानंद मौजूद रहे। अनुराग ढांडा ने कहा कि बदलाव यात्रा के दौरान हमें समझ आया कि हरियाणा का सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी का है। हरियाणा में 25 लाख युवा बेरोजगार हैं। हरियाणा की एक भी विधानसभा ऐसी नहीं थी जिसमें युवाओं ने ये न कहा हो कि हमारे लिए रोजगार का प्रबंध कर दीजिए। उन्होंने कहा कि बदलाव यात्रा के अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि हरियाणा के लोग मौजूदा सरकार से बेहद परेशान हैं।उन्होंने कहा कि हरियाणा के इतिहास में युवाओं की ऐसी असहाय स्थिति कभी नहीं हुई। सीएम खट्टर कल नोटिफिकेशन जारी करके भर्तियां कर सकती है। लेकिन सरकार युवाओं को हरियाणा में नौकरियां देने की बजाय हरियाणा के 10 हजार युवाओं को इजराइल भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि तीसरी सबसे बड़ी समस्या हरियाणा में बढ़ रहा नशा है। यदि गांव के स्तर पर खेल नीति को चलाया जाए तो बच्चों को गलत दिशा में जाने से रोका जा सकता है।

नशा तस्करों की धर पकड़ को पुलिस ने पंजाब सीमा पर चलाया तलाशी अभियान

कैथल (हिंस)। रविवार को कैथल पुलिस ने नशा तस्करों की धर पकड़ के लिए पंजाब बॉर्डर पर तलाशी अभियान चलाया और स्नाइपर डॉग की सहायता से वाहनों की जांच की। एसपी उपासना के निर्देश पर रविवार को डीएसपी कुलदीप बेनीवाल व एसएचओ चीका इंस्पेक्टर अमित कुमार की टीम ने स्नाइपर डॉग की सहायता से पंजाब राज्य के साथ लगते टटीयाना नाके पर जांच की। इस दौरान पंजाब से आने और जाने वाले वाहनों की गहनता से जांच की गई। पुलिस जांच की सूचना मिलते ही 10 करोड़ में खलबली मच गई। एसपी उपासना ने कहा की यह जांच इसलिए की गई है ताकि अंतरराजीय नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा सके। नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा। नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए इस तरह के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

राम मंदिर समारोह का न्यौता देने को निकाली अक्षत शोभा यात्रा

श्री सिद्धेश्वर मंदिर से शुरू होकर कई क्षेत्रों में पहुंची शोभा यात्रा

गुरुग्राम (हिंस)। आगामी 22 जनवरी 2024 को होने वाले भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व देशभर में अयोध्या से लाए गए पूजित अक्षत की रथ यात्रा निकाली जा रही है। गुरुग्राम में शनिवार की रात को सिद्धेश्वर मंदिर में रखे गए इन अक्षतों की रविवार को रथ यात्रा निकाली गई। इस दौरान महिलाओं, पुरुषों, बच्चों ने इस यात्रा में शामिल होकर जय श्रीराम के नारे लगाए। इन नारों से हर वह क्षेत्र गूंज उठा, जहां से यह यात्रा निकली। मंगल परिधान (पीतांबर वस्त्र लाल चुनरी) पहनकर महिलाओं ने इस रथ यात्रा में शिरकत की। इसके बाद शोभा यात्रा शुरू हुई जो किज्योति हॉस्पिटल होते हुए रेल विहार तक पहुंची। वहां सनातन धर्म मंदिर में अक्षत रखकर आगे सेक्टर-14 में प्रवेश किया। वहां के अक्षत हनुमान मंदिर (अन्य बस्तियों के भी अक्षत यहीं रखे गए) और फिर राजीव नगर मंदिर पर इस यात्रा का समापन हुआ। श्री सिद्धेवश्वर मंदिर से पवित्र अक्षत को शहर के विभिन्न भागों में निमंत्रण के लिए ले जाया जा रहा है। राम भक्तों की टोलियों ने रविवार से रथों पर सवार होकर इन्हें ग्रहण किया और तय स्थानों की ओर रवाना हुए। अक्षतों के माध्यम से श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण देने के लिए गुरुग्राम को 186 भागों में बांटा गया है। सभी टोलियों अक्षतों को गांव-गांव, घर-घर व मोहल्लों में लेकर जाएंगी। सभी लोगों से 22 जनवरी को दीपोत्सव मनाने का भी आह्वान करते हुए रामलला के विराजमान होने वाले उत्सव में पहुंचने का आग्रह किया जा रहा है। श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा सम्पर्क अभियान समिति, सावरकर नगर की ओर से श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा रथ यात्रा का आयोजन किया गया है। सभी को विदित है कि 22 जनवरी 2024 को श्री राम जन्मभूमि पर 500 वर्ष के संघर्ष के बाद श्री राम जी की बाल रूप (श्री राम लला) विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है।

भारतीयता तभी आ सकती है, जब वेद की रक्षा हो : श्रीकांत शर्मा

वाराणसी (हिंस)। काशी तमिल संगमम-2 में रविवार को नमोघाट पर तमिल आध्यात्मिक ग्रुप से जुड़े सदस्यों ने एकेडमिक सत्र *मंदिरों के लिए कला, संस्कृति और धर्म* विषय पर काशी के विद्वानों से परिचर्चा के साथ सवाल भी दागा। परिचर्चा में प्रमुख वक्ता श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य अर्चक पंडित श्रीकांत शर्मा ने मंदिर से जुड़ी जानकारियां साझा की। मुख्य अर्चक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कथन का उल्लेख किया, जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा था कि काशी की पुरातनता को बिगाड़े बिना नए कलेवर में कैसे इसे सजाया, संवारा, निखारा जा सकता है, उसका यह काशी-तमिल संगमम देदीप्यमान उदाहरण है। मुख्य अर्चक ने कहा कि तमिलनाडु से आए लोग एक वृहद काशी को देख रहे हैं। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म के बारे में तमिलनाडु से एक प्रहार किया गया, जो पूरे देश का विषय बना, उसका उत्तर यही हो सकता है सनातन धर्म यही है कि सत्य बोलो, प्रिय बोलो, लेकिन अप्रिय सत्य न बोलो। इसमें कहां से कोई विशेष संप्रदाय की बात आ जाती है। सत्य क्या है, वेद है, जो अपौरूषेय हो। भारतीयता तभी आ सकती है, जब वेद की रक्षा हो। धर्म की रक्षा और कोई कुठाराघात न हो। कार्यक्रम में डॉ. हृदयरंजन शर्मा ने भी सत्य और धर्म की व्याख्या की। डॉ. वेंकटरामन घन पाठी ने तमिलनाडु से काशी आए मेहमानों को देवालयों और संस्कृतियों के बारे में बताया। वेंकटरामन ने कहा कि दक्षिण में काशी के प्रति अटूट श्रद्धा और विश्वास है। हर सनातनी जो भारत में रहता है, उसको एक बार काशी अवश्य आना है। बाबा विश्वनाथ, काल भैरव और माता विशालाक्षी मंदिर में दर्शन करना होगा। तमिलनाडु से आए हुए अतिथियों ने कहा कि स्वागत और लजीज व्यंजन के साथ ही वैचारिक सत्र भी काफी शानदार रहा। दक्षिण भारत का हर खाद्य पदार्थ और रस्म आदि यहां मिल रहा है।

इंडी की भाषा देश विरोधी, औरंगाबाद घटना पर मौन क्यों है बिहार सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय (हिंस)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को डीएमके सांसद दयानिधि मारन पर जोरदार हमला करने के साथ ही कांग्रेस, फारूक अब्दुल्ला तथा नीतीश कुमार एवं लालू यादव पर भी कर प्रहार किया है। डीएमके सांसद दयानिधि मारन द्वारा बिहार के श्रमिकों के लिए बोले गए अपमानजनक शब्द को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा है कि कर्नाटक में डीएमके और कांग्रेस की सरकार है। सांसद की भाषा देश को तोड़ने वाली है। बिहार के लोग तमिलनाडु या कर्नाटक कहीं भी जाते हैं तो स्वाभिमान के साथ काम करते हैं। उस राज्य के विकास में योगदान देते हैं, ऐसी भाषा बोलकर देश का अपमान किया गया है। पहले सनातन का अपमान किया जाता रहा है और अब मजदूर पर प्रहार दुर्भाग्य की बात है। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि अभी कांग्रेस और फारूक अब्दुल्ला की सरकार नहीं है। यह नरेंद्र मोदी की देश हित की सरकार है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि नीतीश कुमार की मुश्किलें बढ़ने वाली है। जनता ने तय कर लिया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनाएंगे। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर मोदी की गारंटी की सरकार बनेगी। आज तक किसी ने गरीबों के लिए काम नहीं किया, जितना मोदी ने किया है। राम जन्मभूमि न्यास समिति द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव में सपा नेता को निमंत्रण नहीं देने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि सपा के सरकार में तो राम भक्तों पर गोली चलाई थी। मुझे नहीं पता कि निमंत्रण दिया गया या नहीं दिया गया, लेकिन राम भक्त के हत्यारे को आखिर क्यों बुलाया जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार में लगातार उन्माद फैलाया जा रहा है। लेकिन नीतीश कुमार की सरकार मौन साधे रहती है। अभी औरंगाबाद के हसपुरा में देवी मंदिर में गौमांस टांग दिया गया। वहां पहले भी इस तरह की घटना होती रहती है। वे लोग थ्रेटनिंग दे रहे हैं, जता रहे हैं कि इस्लामी राष्ट्र बनाना चाहते हैं, इस्लामी कानून चलाना चाहते हैं। औरंगाबाद में जहां यह घटना हुई है वहां रोहिंग्या आकर बसा है। बिहार के अंदर उन्माद फैलाने वालों पर नीतीश कुमार की सरकार कार्रवाई क्यों नहीं करती है। हिंदू कुछ करता तो बवाल हो गया होता, मस्जिद में अगर सूअर का मांस टांग दिया जाता तो अब तक बवाल हो जाता। लेकिन वहां लगातार घटना होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। इस पर नीतीश कुमार, लालू यादव और तेजस्वी कोई कुछ नहीं बोलेगा। लेकिन मस्जिद में अगर मांस टांग दिया जाता तो पॉलीटिकल टूरिस्ट स्थल बन जाता। जदयू, राजद और कम्युनिस्ट वाले सब के सब वहां पहुंच गए होते। लेकिन हिंदुओं के साथ हो रहे इस तरह की घटना पर किसी की नींद नहीं खुल रही है। आखिर नीतीश कुमार की सरकार ने क्या समझ लिया है। हिंदुओं को क्यों लगातार तंग-तबाह किया जा रहा है।

श्याम महोत्सव पर निकाली गई निशान शोभायात्रा, भक्ति में झूमे श्रद्धालु

अररिया (हिंस)। श्री श्याम परिवार फारबिसगंज द्वारा रविवार को नौवें वार्षिकोत्सव पर भव्य श्याम महोत्सव का आयोजन किया गया। गाजे-बाजे के साथ निकाली गई निशान यात्रा में महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। खाटू श्याम के नारे लगाए जा रहे थे। भक्ति गीतों और नगाड़ों पर महिला पुरुष व बच्चे झूम रहे थे। शोभा यात्रा में अररिया, पूर्णिया, कटिहार समेत पड़ोसी देश नेपाल के बड़ी संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे सहित अन्य श्रद्धालु ने भाग लिया। शोभा यात्रा में श्याम बाबा की प्रतिमा को रथ पर भ्रमण कराया जा रहा। जो यात्रा की शोभा बढ़ा रही थी। शोभा यात्रा में सैकड़ों महिला पुरुषों के हाथों में रंग बिरंगे ध्वज लेकर कतार में चल रहे थे। जहां यात्रा में श्याम बाबा की प्रतिमा को रथ पर सजाकर भ्रमण कराया जा रहा था। हारे का सहारा श्री श्याम बाबा हमारा के उद्घोष से शहर में भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ था। इस दौरान महिला पुरुष श्रद्धालु बाबा के भजन पर झूमते नजर आए। गाजे-बाजे के साथ निकली निशान शोभा यात्रा में श्याम बाबा की प्रतिमा को रथ पर भ्रमण कराया गया।

देश की हर भाषा और बोली में समाहित हैं श्रीराम : आरिफ मोहम्मद

अयोध्या (हिंस)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को अयोध्या उत्सव में कहा कि राम हर क्षेत्र में हैं। देश की हर भाषा और बोली में समाहित हैं। यहां के लोगों ने राम को अपने-अपने तरह से और अन्य परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास किया है। सबसे पहले आदि कवि वाल्मीकि ने उन्हें देखा अथवा महसूस किया। उनकी रामायण पूरे देश में विभिन्न रूपों में मौजूद है। हमने अपने बच्चों को राम के आदर्श से व्यक्तित्व निर्माण समझाया। मानवता के विकास का प्रयास किया। बच्चों में दिव्यता पैदा करने की कोशिश की। तीन दिवसीय अयोध्या उत्सव का आयोजन हिंदुस्थान समाचार बहुभाषी न्यूज एजेंसी, श्रीअयोध्या न्यास और प्रज्ञा के संयुक्त तत्वावधान में श्री मणिराम दास छावनी स्थित श्रीराम सत्संग भवन में किया गया है। इस दौरान दूसरे दिन के द्वितीय सत्र में आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भगवान राम को कहीं एक आदर्श राजा के रूप में तो मां सीता को भू देवी और भूमि की बेटी के रूप में स्वीकारा। दक्षिण भारत में वह भगवान राम को आदर्श स्वरूप सूर्य मानते थे। इसलिए वे सूर्यवंशी हैं। उन्होंने आदि कवि वाल्मीकि के बारे में बताया और कहा कि दक्षिण में भक्ति आंदोलन की शुरुआत उत्तर से काफी समय पहले हुई। भक्ति आंदोलन में भगवान राम के दिव्य रूप को देखा गया। उनको अवतार के रूप में देखा गया। केरल में महाविष्णु के अवतार के तौर पर इन्हें देखा गया तो मलयालम में रामायण का अविर्भाव हुआ। उन्होंने रामायण का विच्छेद करते हुए बताया कि राम मंदिर का अर्थ है कि राम की यात्राएं। जैसे भगवान सूर्य, उत्तरायण और दक्षिणायन होते हैं; ठीक वैसे ही। उन्होंने कहा कि धर्म का मतलब है अनुकंपा, करुणा धाम, प्रज्ञा धाम और इन सबका मतलब है बुद्धिमत्ता।

बिहार के मुख्यमंत्री का अभाविप कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला

बलरामपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बिहार राज्य के बाबू वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर अपना विरोध जताया है। कार्यकर्ताओं ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। नगर इकाई की ओर से छात्र नेता गौरव द्विवेदी की अगवाई में छात्रों ने घटना का विरोध जताते हुए एमएलके पीजी. कॉलेज के उत्तरी गेट पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया। गौरव ने कहा बिहार की सरकार छात्र विरोधी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जानबूझकर छात्रों के ऊपर लाठी चार्ज करवाया। जिला संगठन मंत्री हिमांशु मिश्रा ने कहा नीतीश सरकार का यह दमनकारी रवैया विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं के हौसले को नहीं तोड़ सकता है।

राज्य के कई अधिकारी जेल में नजर आएंगे : जफर इस्लाम

रांची (हिंस)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व सांसद जफर इस्लाम ने इंडी एलायंस और हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। जफर इस्लाम रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि हेमंत सोरेन के खिलाफ करप्शन से जुड़े कई पुख्ता प्रमाण ईडी के पास हैं। आखिर गलत नहीं किया तो क्यों डर रहे। भागने से बच भी नहीं सकते। अंततः उन्हें जेल भी जाना ही होगा। इसी आशंका में वे ईडी के पास छह-छह समन के बावजूद नहीं गए हैं। उन्होंने किसी अधिकारी का नाम लिए बगैर कहा कि कुछ अधिकारी अपनी करतूत से यहां जेल तक जा चुके हैं। कई और अधिकारी भी ऐसे हैं, जिन्हें लगता है कि वे आजीवन वर्तमान मुख्यमंत्री के संरक्षण में सुरक्षित रहेंगे। साथ ही इस आधार पर वे करप्शन में भी लिप्त हैं। यह भी तय है कि वे जांच एजेंसियों के राडार पर हैं। उनके खिलाफ रिकॉर्ड जांच एजेंसियों के पास हैं। अंततः उन्हें भी जेल जाना होगा। सैयद इस्लाम ने कहा कि घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का गिरोह है। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचारियों के स्लीपर सेल का सरगना और उनकी राज्य सरकारें स्लीपर सेल। उन्होंने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार भ्रष्टाचार की देन है। यहां आकंठ भ्रष्टाचार है। बंगाल में बुआ भतीजा, बिहार में नीतीश लालू, तमिलनाडु में स्टालिन और उनके दामाद, केरल में वामपंथी सभी लूट में शामिल हैं। इन सरकारों को जनता की भलाई से कुछ भी लेना देना नही। इन्हें केवल अपने परिवार की चिंता है। उन्होंने कहा कि घमंडिया गठबंधन अब लठबंधन बन चुका है। ये संवैधानिक संस्थाओं पर लाठी मार रहे। कभी आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनने पर अपमानित करते हैं। कभी गरीब जाट किसान परिवार से आए उप राष्ट्रपति का अपमान करते हैं। राहुल गांधी मिमिक्री का वीडियो बनाकर संसद को लाफ्टर शो की तरह चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में सांसदों का निलंबन उचित है जब प्रतिनिधि संविधान और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो जाएं।

इस सप्ताह शेयर बाजार सीमित दायरे में रह सकता है: विशेषज्ञ
क्रिसमस की छुट्टियां होने से वैश्विक स्तर पर संकेतों की कमी रहेगी

मुंबई।
घरेलू स्तर पर कोई भी प्रमुख उत्प्रेरक नहीं होने से छुट्टियों वाले इस सप्ताह में शेयर बाजार के सीमित दायरे में ही रहने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों ने यह बात कही है।

विशेषज्ञों के मुताबिक मासिक डेरिवेटिव सौदों की समाप्ति के बीच इस सप्ताह शेयर बाजार सूचकांकों को उतार-चढ़ाव रह सकता है। क्रिसमस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस सप्ताह क्रिसमस की छुट्टियां होने से वैश्विक स्तर पर संकेतों की कमी रहेगी। इससे घरेलू बाजार की गतिशीलता ही उद्योग क्षेत्रों और खास शेयरों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करेगी। विशेषज्ञों ने कहा कि सीमित संकेतों के साथ दिसंबर वायदा एवं अनुबंध सौदों की समाप्ति बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति ला सकती है। हालांकि भारत के इक्विटी बाजार का मूल्यांकन ऊंचा है लेकिन केंद्र में स्थिर सरकार आने की संभावना से सेंसेक्स और निफ्टी अभी ऊंचाई पर बने रह सकते हैं। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी 10 साल के निचले स्तर पर होने से ऋण बाजार में विदेशी खरीदारी आ सकती है। बाजार कुछ समय से रिकॉर्ड बनाने की होड़ में लगे हुए थे। ऐसे में मुनाफावसूली के रूप में इस पर लगाम लगने की आशंका बनी हुई थी। यही कारण है कि लगातार सात हफ्तों की बढ़त के बाद सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ है। एक अन्य बाजार के जानकार ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। क्रिसमस के साथ छुट्टियों का सिलसिला शुरू हो रहा है। ऐसे में हमें उम्मीद है कि इस सप्ताह विशिष्ट शेयरों पर जोर रहने के साथ बाजार सीमित दायरे में रहेंगे। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

न्यूज ब्रीफ

कम पैसों में ज्यादा कवर का मिलेगा फायदा, टॉपअप और सुपर टॉप अप प्लान में यहां समझें अंतर

नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि आपके बीमा कवर की राशि कुछ कम है तो आप कवर को अपग्रेड करने के बारे में सोच सकते हैं। कवर को टॉप-अप या सुपर टॉप-अप से अपग्रेड करवाया जा सकता है। यहां बताना जरूरी है कि इंश्योरेंस कंपनियां टॉप-अप प्लान के लिए किसी तरह की कोई मेडिकल स्क्रीनिंग नहीं करती है। इस आर्टिकल में इन दोनों ही टॉप अप प्लान को समझाने की कोशिश कर रहे हैं- अगर आपके पास पहले से ही हेल्थ पॉलिसी है तो आपके लिए टॉप-अप हेल्थ प्लान के ऑप्शन पर जाना सही होगा। इस प्लान के साथ ज्यादा कवर का फायदा मिलता है। इतना ही नहीं, जिन लोगों के पास हेल्थ पॉलिसी पहले से होती है, उन्हें यह प्लान कम कीमत पर ऑफर किया जाता है। सुपर टॉप-अप प्लान के साथ टॉप-अप की लिमिट को एक से ज्यादा बार इस्तेमाल कर सकते हैं। सुपर टॉप-अप का फायदा उस स्थिति में मिलता है जब खर्च हेल्थ इंश्योरेंस से कवर नहीं हो पाता। हेल्थ इंश्योरेंस से खर्च पूरा होने के बाद एक्स्ट्रा खर्चे को सुपर टॉप-अप से कवर करवाया जा सकता है। यह प्लान नए खर्चों की राशि के लिए काम आता है। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि हेल्थ इंश्योरेंस को पहले ही सुपर टॉप-अप से अपग्रेड करवाया जाए। दरअसल, इन दोनों ही प्लान में एक बड़ा अंतर क्लेम करने को लेकर है। टॉप-अप प्लान को एक ही बार इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आपका खर्चा इंश्योरेंस प्लान की लिमिट से ऊपर होता है तो केवल एक ही बार टॉप अप प्लान इस्तेमाल कर सकते हैं।

वित्ति मंत्रालयः केंद्र से राज्यों को मिले अतिरिक्त कर के हिस्से के रूप में 72,961 करोड़, यूपी को सबसे अधिक

नई दिल्ली। केंद्र ने राज्यों को अतिरिक्त कर हिस्से के रूप में कुल 72,961.21 करोड़ रुपये जारी किये हैं। इसमें उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 13,088.51 करोड़ रुपये मिले हैं। केंद्र और पश्चिम बंगाल में केंद्रीय करों के हिस्से के बकाए को लेकर प.बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की थी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि राज्यों को ये रकम आगामी त्योहारों और नए साल के मद्देनजर सामाजिक कल्याण के कार्यों और बुनियादी ढांचा विकास के लिए जारी की गई है। नियमों के अनुसार, राज्यों के केंद्रीय भंडार से मिलने वाले टैक्स का हस्तांतरण 14 किस्तों में होता है। 11 किस्तें 11 महीने तक हर महीने जारी की जाती हैं, जबकि 3 किस्त मार्च में जारी होती है। मंत्रालय ने कहा कि अतिरिक्त किस्त 10 जनवरी, 2024 को राज्यों को देय कर हस्तांतरण और इस साल 11 दिसंबर को जारी 72,961.21 करोड़ के अतिरिक्त है। यूपी के अलावा बिहार को 7,338 करोड़, मप्र को 5,727.44, प.बंगाल को 5,488.88, महाराष्ट्र को 4,608.96, राजस्थान को 4,396.64 और ओडिशा को 3303.69 करोड़ का भुगतान किया गया है। वहीं, सबसे कम सिक्किम को 283 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

अप्रैल से नवंबर के दौरान घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन 8.38 प्रतिशत बढ़ा, मंत्रालय ने बयान में ये कहा

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वित्त वर्ष

2023-24 की अप्रैल-नवंबर अवधि में घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन 8.38 प्रतिशत बढ़कर 779.1 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन 718.83 बिलियन यूनिट रहा था। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में भारत का बिजली उत्पादन 7.71 प्रतिशत बढ़ा। तापमान में अभूतपूर्व वृद्धि, देश के उत्तरी क्षेत्र में मानसून में देरी और कोविड के बाद वाणिज्यिक गतिविधियों के फिर से शुरू होने के कारण कोयला आधारित बिजली उत्पादन में सालाना आधार पर 11.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बिजली की बढ़ती मांग के बावजूद चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक सम्मिश्रण के लिए कोयले का आयात 44.28 प्रतिशत घटकर 1.516 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2.72 करोड़ टन था। कोयला मंत्रालय ने कहा, यह कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता और कुल कोयला आयात को कम करने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सरकार कोयले के उत्पादन को और बढ़ाने के अपने प्रयासों में दृढ़ है, जिसका उद्देश्य उपलब्धता बढ़ाना और आयातित कोयले पर निर्भरता को कम करना है।

टॉप-10 में से 3 कंपनियों का मार्केट-कैप 70,312.7 करोड़ बढ़ा

रिलायंस 17.35 लाख करोड़ के मार्केट कैप के साथ नंबर-1 पर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ नुकसान

मुंबई।
डोमेस्टिक शेयर मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव के बीच बीते सप्ताह देश की 10 सबसे ज्यादा वैल्यूएबल कंपनियों में से 3 का मार्केट कैप टोटल 70,312.7 करोड़ बढ़ा है। सबसे ज्यादा फायदे में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।

7 कंपनियों का मार्केट कैप 68,783.2 करोड़ घटा

पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में इजाफा हुआ, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम को नुकसान हुआ है। इन 7 कंपनियों का मार्केट कैप कुल मिलाकर 68,783.2 करोड़ घटा है।

एक सप्ताह पहले रिकॉर्ड तेजी दर्ज करने के बाद बीएसई बेंचमार्क यानी सेंसेक्स के लिए पिछला हफ्ता गिरावट वाला रहा। मुनाफावसूली के चलते बीते सप्ताह में सेंसेक्स 376.79 अंक यानी 0.52 प्रतिशत गिरा था।

रिलायंस का मार्केट कैप 47,021.59 करोड़ बढ़ा

हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप बीते हफ्ते 47,021.59 करोड़ बढ़कर 17.35 लाख करोड़ हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का भी मार्केट कैप इस दौरान 12,241.37 करोड़ बढ़कर 6.05 लाख करोड़ और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,049.74 करोड़ बढ़कर 12.68 लाख करोड़ हो गया। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,235.29 करोड़ घटकर 6.97 लाख करोड़, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का 12,715.21 करोड़ घटकर 13.99 लाख करोड़ और एसबीआई का 10,486.42 करोड़ घटकर 5.68 लाख करोड़ रहा। इसके अलावा इंफोसिस का 7,159.5 करोड़ घटकर 6.48 लाख करोड़, आईटीसी का 3,991.36 करोड़ घटकर 5.67 लाख करोड़, भारती एयरटेल का 2,108.17 करोड़ घटकर 5.56 लाख करोड़ और एलआईसी का 2,087.25 करोड़ घटकर 5.01 लाख करोड़ रह गया।

टॉप 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस टॉप पर

टॉप-10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी की अपनी पोजिशन बरकरार रखी। रिलायंस के बाद इस लिस्ट में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, एयरटेल और एलआईसी रही।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। मार्केट कैप = (आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या) × (शेयरों की कीमत) है।

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

बिजली पर खाना पकाने के प्रोत्साहन के लिए उठाए जाएंगे कई कदम

नई दिल्ली।
इस साल नवंबर में सरकार ने नेशनल इफिशिएंट कुकिंग प्रोग्राम लांच किया था और अब इस प्रोग्राम की गति को तेज करने की तैयारी चल रही है। हालांकि सरकार के पास अभी इस बात को लेकर कोई आंकड़ा नहीं है कि भारत में कितने लोग बिजली पर खाना पकाते हैं।

नवंबर में लांच कुकिंग प्रोग्राम में कहा गया था कि बिजली मंत्रालय के अधीनस्थ काम करने वाली सार्वजनिक कंपनी ईईएसएल सस्ते दाम पर 20 लाख इंडक्शन कुकिंग स्टोव का वितरण करेगी।

इंडक्शन कुकिंग स्टोव का इस्तेमाल

सूत्रों का कहना है कि सरकार के इस प्रोग्राम को अब आगे ले जाने की तैयारी चल रही है। शहरों पर पूरी तरह से बिजली से चलने वाले कुकिंग स्टोव के प्रचलन को बढ़ाया जाएगा। वहीं टियर-2 व टियर-3 शहरों में ग्रिड कनेक्टेड सोलर आधारित इंडक्शन कुकिंग स्टोव का इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं ग्रामीण इलाके में बैट्री स्टोरेज की सुविधा वाले सोलर इंडक्शन स्टोव को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा सरकारी पेट्रोलियम कंपनी आईओसी द्वारा विकसित सूर्या नूतन इंडोर सोलर कुकिंग स्टोव का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की तैयारी चल रही है। सूर्या नूतन रिचार्जेबल इंडोर कुकिंग सोल्यूशन है जो सूर्य से ऊर्जा प्राप्त कर उसे उष्मा में परिवर्तित करता है। इसके लिए उसके भीतर विशेष प्रकार का हीटिंग तत्व लगाया गया है। सूर्या नूतन का देश के पांच शहरों में ट्रायल भी किया गया है और यह स्टोव चार व्यक्ति का खाना पकाने के लिए सक्षम है।

कम बिजली की होगी खपत

ईईएसएल सस्ते दाम पर कम बिजली खपत करने वाले पंखे व एसी का वितरण बिजली वितरण कंपनियों के माध्यम से कर रही है। सूत्रों का कहना है कि इस मॉडल को अपना कर स्टार रेटिंग वाले बिजली के कुकिंग स्टोव का वितरण बड़े शहरों में किया जाएगा। बिजली से खाना पकाने का चलन बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। गैस सिलेंडर का इस्तेमाल कम होने से आयात बिल भी कम होगा।

एयर इंडिया का पहला ए350 एयरबस विमान भारत पहुंचा, विमानन कंपनी ने रचा ये इतिहास

नई दिल्ली।
एयर इंडिया ने आधिकारिक तौर पर अपने पहले एयरबस ए350-900 की डिलीवरी ले ली है। इसके साथ ही टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने इस तरह के विमान का संचालन करने वाली पहली भारतीय विमानन कंपनी बनकर इतिहास रचा है।

एयर इंडिया ने आधिकारिक बयान जारी कर ये कहा

एयरलाइन की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, भारत की अग्रणी वैश्विक एयरलाइन एयर इंडिया ने वीटी-जेआरए पंजीकृत 20 एयरबस ए350-900 विमानों में से पहले विमान का स्वागत किया। विमान फ्रांस के टूलूज स्थित एयरबस केंद्र से स्थानीय समयानुसार दोपहर 01 बजकर 46 मिनट पर नई दिल्ली पहुंचा। एयर इंडिया के प्रतिनिधियों ने विशेष कॉल साइन एआई350 का उपयोग करके संचालित इस डिलीवरी उड़ान का स्वागत किया। एयर इंडिया की वरिष्ठ कमांडर कैप्टन मोनिका बत्रा वैद्य, जो ए350 पर प्रशिक्षित होने वाले पहले कुछ भारतीय पायलटों में से एक हैं, एक पर्यवेक्षक के रूप में विमान पर सवार थीं। एयर इंडिया

भारतीय विमानन क्षेत्र में बदलाव के मामले में अग्रणी रहा है। विमानन कंपनी ने एक दशक से अधिक समय में भारत में पहली बार नई वाइड-बॉडी फ्लीट टाइप को अपने बेड़े में शामिल किया है। एयर इंडिया ए350 उड़ाने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बन गई है। इससे पहले एयर इंडिया 2012 में बोइंग 787 ड्रीमलाइनर अपने बेड़े में शामिल करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन भी थी। एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा कि यह पल एयर इंडिया में सभी के लिए एक यादगार दिन है। एयर इंडिया के सीईओ ने कहा, ए350 सिर्फ धातु और इंजन नहीं है; यह हमारी एयरलाइन के निरंतर परिवर्तन और नए बेंचमार्क स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में सभी एयर इंडिया कर्मचारियों के अथक प्रयासों का नतीजा है।

बंगाल को जारी हुई कर हस्तांतरण की अतिरिक्त किस्त तनातनी के बीच केंद्र ने दिए 5,488 करोड़ रुपये

कोलकाता।
पश्चिम बंगाल और केंद्र के बीच केंद्रीय पोषित योजनाओं के बकाए को लेकर चल रही तनातनी थमने के आसार दिख रहे हैं। बीते पीएम मोदी से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुलाकात की थी, जिसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि केंद्र जल्द ही बकाए पैसे देने पर फैसला दे सकता है तमाम विरोध प्रदर्शन और मुलाकातों के बीच आखिरकार केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल को कर हस्तांतरण की अतिरिक्त किस्त के रूप में 5,488.88 करोड़ रुपये जारी किए हैं। केंद्र ने कई सामाजिक कल्याण उपायों और बुनियादी ढांचे के विकास योजनाओं के वित्तपोषण के लिए कर हस्तांतरण के रूप में सभी राज्यों को 72,961.21 करोड़ रुपये वितरित किए थे। केंद्र ने कहा कि यह 10 जनवरी, 2024 को राज्यों को देय कर हस्तांतरण किस्त के अतिरिक्त आता है। केंद्र 14 वार्षिक किस्तों में कर हस्तांतरण निधि का वितरण करता है।

अन्य राज्यों का कितना हिस्सा

नवीनतम आवंटन में उत्तर प्रदेश को सबसे बड़ा हिस्सा 13,088.51 करोड़ रुपये मिला। इसके बाद बिहार (7,338 करोड़ रुपये), मध्य प्रदेश (5,727.44 करोड़ रुपये), पश्चिम बंगाल (5,488.88 करोड़ रुपये), महाराष्ट्र (4,608.96 करोड़ रुपये), राजस्थान (4,396.64 करोड़ रुपये) और ओडिशा (3,303.69

करोड़ रुपये) का स्थान रहा।

लंबित बकाए में किस मद का कितना

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ममता बनर्जी ने बताया कि केंद्र द्वारा लंबित बकाए में लगभग 6911 करोड़ रुपये का मनरेगा भुगतान शामिल हैं। इसी तरह वेतन देनदारी का 3732 करोड़ रुपये और गैर-मजदूरी देनदारियों के 3179 करोड़ रुपये लंबित हैं। वहीं पीएम आवास योजना के तहत स्वीकृत 11,01,731 घरों के लिए भी केंद्रीय हिस्सेदारी जारी नहीं की गई है। साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत फंड भी नहीं जारी किया गया हैं।

कृषि पर पड़ रहा जलवायु परिवर्तन का असर, विकास दर में चिंताजनक गिरावट

नई दिल्ली।
टिकाऊ कृषि के लिए जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है, क्योंकि इस साल अनियमित मानसून ने भारत के कृषि उत्पादन को प्रभावित किया, इससे खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। सरकार को निर्यात पर रोक लगाने जैसे उपाय करने के लिए मजबूर होना पड़ा। ख़राब मौसम के कारण ख़रीफ़ उत्पादन में गिरावट के कारण जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के कृषि क्षेत्र की विकास दर घटकर मात्र 1.2 प्रतिशत रह गई। इसका प्रतिकूल प्रभाव चालू रबी सीज़न पर पड़ा है और सामान्य से कम मानसून के कारण कुल बोए गए क्षेत्र में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। मिट्टी में नमी की कमी हो गई है और जलाशयों में पानी का भंडारण कम हो गया है। गेहूं और दालों के रकबे में क्रमशः तीन और आठ फीसदी की गिरावट आई है, इससे आगे चलकर खाद्य उत्पादन में गिरावट को लेकर चिंता बढ़ गई है। जलवायु परिवर्तन की इस जटिल घटना से निपटने के लिए गतिशील प्रतिक्रिया रणनीतियों को विकसित करने के लिए नीति निर्माताओं और वैज्ञानिक समुदाय के भीतर अब एक बड़ी चिंता है, खासकर कुछ राज्यों में विशाल क्षेत्र अभी भी वर्षा आधारित कृषि पर निर्भर हैं। हालांकि, रबी के रकबे में मौजूदा गिरावट के बावजूद, कृषि मंत्रालय के अधिकारियों का मानना है कि अगले कुछ हफ्तों में अंतर को संभावित रूप से कम किया जा सकता है। उनका अनुमान है कि रबी फसलों के लिए कुल बोया गया क्षेत्र, पिछले पांच वर्षों के औसत स्तर (648 लाख हेक्टेयर) तक पहुंच सकता है। अधिकारी दलहन के रकबे में कमी का कारण धान जैसी खरीफ फसलों की देर से कटाई और फसल विविधीकरण की प्रवृत्ति को मानते हैं। इसमें कुछ राहत की बात है कि सरसों और रेपसीड सहित तिलहनों का रकबा इस साल 2022 की तुलना में 1 लाख हेक्टेयर अधिक है, इससे देश के खाद्य तेलों के आयात बिल को कम करने में मदद मिलेगी। वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि तिलहन पर जोर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के रणनीतिक

उपायों को दर्शाता है। जबकि मौसम संबंधी बाधाओं के कारण चुनौतियां बनी रहती हैं। कृषि मंत्रालय का संभावित पलटाव का सकारात्मक दृष्टिकोण कृषि क्षेत्र की लचीलापन पर आधारित है। आगामी सीज़न में मजबूत खाद्यान्न उत्पादन हासिल करने के लिए फसल विविधीकरण को संतुलित करना और नमी की कमी को दूर करना महत्वपूर्ण होगा। इस वर्ष की शुरुआत में लोकसभा में कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया,2014 के बाद से फसलों के लिए बीजों की 1,888 जलवायु अनुकूल किस्में विकसित की गई हैं। इसके अलावा, सूखे, बाढ़, ठंढ और गर्मी की लहर जैसी चरम मौसम की स्थिति वाले जिलों और क्षेत्रों में कृषक समुदायों के बीच व्यापक रूप से अपनाने के लिए 68 स्थान विशिष्ट जलवायु लचीली प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन किया गया है। भारत दुनिया में गेहूं, चावल और चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन बढ़ती घरेलू कीमतों पर लगाम लगाने के लिए इन वस्तुओं के निर्यात को प्रतिबंधित करने के लिए मजबूर किया गया है। देश दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है और एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है। इसलिए, निर्यात पर प्रतिबंध से इन देशों में भोजन की उपलब्धता पर भी असर पड़ा है। इस साल भारत के कृषि निर्यात में 4 अरब डॉलर से 5 अरब डॉलर की गिरावट आने की उम्मीद है। हालांकि, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी आशावादी हैं। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल का मानना है कि अन्य कृषि वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि से इस साल निर्यात घाटा पूरा हो जाएगा। अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा, अगर हम गेहूं और चावल जैसी कृषि वस्तुओं को हटा दें, जिनका निर्यात नियंत्रित है, तो अन्य खाद्य निर्यात चार प्रतिशत से अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, इसलिए, चीनी, गेहूं और चावल पर प्रतिबंध के कारण लगभग 4 अरब डॉलर से 5 अरब डॉलर की कमी के बावजूद, हमें पिछले साल के निर्यात स्तर को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के आंकड़ों से पता चला है कि इस साल अप्रैल और नवंबर के बीच मांस और डेयरी, अनाज की तैयारी और फलों और सब्जियों के निर्यात में वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की एक रिपोर्ट के अनुसार, खरीफ उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान से पता चलता है कि खाद्यान्न उत्पादन घटकर चार साल के निचले स्तर 148.6 मिलियन टन पर आ गया है, जो पिछले साल के अंतिम अनुमान से 4.6 प्रतिशत कम है। यहां तक कि जिन फसलों के बोए गए क्षेत्र में इस वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है, उनके उत्पादन में गिरावट देखने की उम्मीद है, इसमें गन्ना (-11.4 प्रतिशत), चावल (-3.8 प्रतिशत) और मोटे अनाज (-6.5 प्रतिशत) शामिल हैं।

धोनी आईपीएल सत्र तक पूरी तरह फिट होंगे : विश्वनाथन

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपनी घुटने की चोट से उबर गये हैं और उम्मीद है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र में खेलेंगे। विश्वनाथन के अनुसार धोनी के घुटने की सर्जरी सफल रही है और अब वह पूरी तरह से फिट हैं। अभी वह रहैबिलिटेशन और प्रशिक्षण सत्र से गुजर रहे हैं और हमें उम्मीह है कि आईपीएल सत्र तक वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे।

आईपीएल 2024 में धोनी के खेलने को लेकर प्रशंसकों के मन में कई आशंकाएं हैं क्योंकि उन्होंने सत्र घुटने की चोट के बाद भी खेला था। तब जीत के साथ सत्र समाप्त होने के बाद उनके घुटने की सर्जरी हुई थी जो पूरी तरह से सफल रही। पिछले सत्र में धोनी ने मैच के बाद कहा था कि यदि आप हातातों के अनुसार देखें तो संन्यास की घोषणा करने का यह सबसे अच्छा समय है और मेरे लिए यह कहना आसान बात है कि संन्यास ले लो पर सबसे कठिन काम 9 महीने तक कड़ी मेहनत करना और एक और आईपीएल सत्र खेलने की कोशिश करना है। इसके लिए शरीर को भी देखना होगा। साथ ही कहा था कि सीएसके प्रशंसकों से मुझे जितना प्यार मिला है, उसे देखते हुए खेलना उनके लिए एक और सत्र खेलना एक उपहार की तरह होगा। जिस तरह से उन्होंने अपना प्यार और भावना दिखाई है, यह कुछ ऐसा है जो मुझे उनके लिए करने की जरूरत है।

धोनी ने साल 2023 में 12 पारियों में 104 रन बनाए। ये रन उन्होंने 26 की औसत और 182 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से बनाए। इस सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 32 रन रहा था। धोनी 250 आईपीएल मैचों में 38.79 की औसत और 135 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 5,082 रन बनाए हैं, जिसमें 24 अर्धशतक और 84* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वह आईपीएल इतिहास में 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। बहरहाल, दुबई में हाल ही में आयोजित मिनी-नीलामी पर विश्वनाथन ने कहा कि टीम भाग्यशाली थी कि उसने योजना के अनुसार सभी आधारों को कवर कर लिया। अब यह लड़कों पर निर्भर है कि वे मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करें।

न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डेरिल मिशेल को 14 करोड़ रुपए की भारी कीमत पर खरीदने को लेकर सीएसके के सीईओ ने कहा कि हम मिशेल को लेकर उत्सुक थे। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन हम जानते थे कि यह जोखिम भरा था, हम उसे पाने का अवसर खो सकते थे क्योंकि उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। दिन के अंत में, हम उसे पाकर खुश हैं।

न्यूज ब्रीफ

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पांच गेंदबाजों को शामिल किया

मुम्बई । लिटिल मास्टर के नाम से लोकप्रिय रहे दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय टीम चुनी है। गावस्कर ने अपनी इस टीम में पांच गेंदबाजों को शामिल किया है। इसमें तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर हैं। वहीं विकेट कीपर के तौर पर लोकेश राहुल को जगह दी है। पारी की शुरुआत के लिए रोहित शर्मा के साथ युवा यशस्वी जायसवाल को रखा है। गावस्कर ने अपनी इस अंतिम 11 में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को तीसरे नंबर-3 पर ही रखा है। गावस्कर ने कहा मेरी अंतिम ग्यारह 11 काफी सामान्य है। इसमें सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रोहित शर्मा, नंबर-3 पर शुभमन गिल, चार पर विराट कोहली, नंबर-5 पर केएल राहुल, छठे पर श्रेयस अय्यर पांचवें या छठे नंबर पर उतरेंगे। वहीं अन्य बल्लेबाजों को जरुरत के अनुसार ऊपर नीचें कर सकते हैं। मास्टर ने इसके अलावा 5 गेंदबाजों के तौर पर रविंद्र जडेजा और आर अश्विन के साथ ही मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को रखा है। गावस्कर ने कहा नंबर-7 और 8 पर रविंद्र जडेजा और आर अश्विन होंगे। इसके बाद मैं तीन तेज गेंदबाजों को रखूंगा जिसमें मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज शामिल होंगे।वहीं गावस्कर के अलावा पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी अंत 11 का चयन किया। मांजरेकर के भी शीर्ष छह खिलाड़ी वहीं रखें हैं जो गावस्कर की अंतिम 11 में हैं। उन्होंने गेंदबाजी इकाई में भी कुछ बदलाव किए हैं।

पाक खिलाड़ी हारिस रऊफ बिना पैड पहने पहुंचे बैटिंग करने, उड़ी खिल्ली

नई दिल्ली । बिग बैश लीग में पाक खिलाड़ी हारिस रऊफ ने ऐसा कुछ किया कि उनकी जमकर खिल्ली उड़ गई। दरअसल मेलबर्न और सिडनी थंडर के बीच मुकाबला हुआ। मैच के दौरान मेलबर्न स्टार्स ने सिडनी थंडर के खिलाफ आखिरी ओवर में चार गेंद पर चार विकेट गंवाए। इसके चलते हारिस रऊफ को तैयार होने का समय नहीं मिला और वह बिना पैड पहने ही मैदान पर आ गए। बिग बैश लीग 2023-24 में एक मजेदार सीन देखने को मिला। जब मेलबर्न स्टार्स के बल्लेबाज हारिस रऊफ को बिना पैड के ही बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर आना पड़ा। लगातार गिरे के विकेट की वजह से पाकिस्तान के गेंदबाज हारिस रऊफ को तैयार होने का मौका तक नहीं मिला था। गौरतलब हो कि मेलबर्न स्टार्स के 19वें ओवर में 170 रन था। आखिरी ओवर में डैनियल सैम्स की पहली दो पर एक-एक रन बनें। इसकी दो गेंद पर ब्यू वेबस्टर और उसामा मीर आउट हुए। इस दौरान मार्क स्टेकेटी पांचवीं गेंद पर रन आउट हो गए। ऐसे में राउफ को तैयार होने का मौका नहीं मिला।

वेस्टइंडीज के पास टी20 विश्व कप जीतने का अच्छा अवसर : रसेल

तारौबा । इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से उत्साहित वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराऊंडर आंद्रे रसेल ने कहा है कि उनकी टीम जून में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरेगी। रसेल के अनुसार वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट में सभी टीमों को कड़ी टक्कर देगी। वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी20 मैच में इंग्लैंड को 3-2 से हराया है। इससे उसका मनोबल बढ़ा है। रसेल का मानना है कि पुरुष टी20 विश्व कप में उनकी टीम खिताबी दावेदारों को कड़ी टक्कर देगी। इस साल हुई अलग-अलग टी20ई सीरीज में वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका, भारत के बाद इंग्लैंड पर जीत दर्ज की है। ऐसे में उसका लक्ष्य तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतना रहेगा। टी20 विश्वकप 4 से 30 जून तक के बीच वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। रसेल ने कहा कि विश्व कप में उनके पास जीत के लिए अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि मुझे बहुत क्रिकेट खेलना है और यह अच्छी बात है। जब आप क्रिकेट खेल रहे होते हैं और प्रतियोगिता में होते हैं, तो आपका शरीर सक्रिय होता है और आप घर पर बैठकर विश्व कप का इंतजार नहीं कर रहे होते। हम निश्चित रूप से कुछ टीमें को टक्कर देने जा रहे हैं। इंगलैंड के खिलाफ हुई 5 मैचों की सीरीज में रसेल ने वेस्टइंडीज की ओर से शानदार गेंदबाजी की थी। वहीं बल्लेबाजी में उनका स्ट्राइक रेट 169.35 था। रसेल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, वापस आने और वेस्टइंडीज टीम में शामिल होने के लिए बुलावा मिलना बेहद अहम बात है। मैं पिछले दो वर्षों से काम कर रहा हूं। मैं इसका इंतजार कर रहा था। मैं बस इसके लिए उत्साहित हूं वापस आऊंगा और जीत हासिल करूंगा।

विमेंस क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की पहली टेस्ट जीत

8 विकेट से हराया ; 7 विकेट लेने वाली स्नेह राणा प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली । भारतीय विमेंस टीम ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट मैच में 8 विकेट से हरा दिया। विमेंस टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत की ऑस्ट्रेलिया पर यह पहली टेस्ट जीत है। भारत में इस बार दोनों टीमों के बीच इकलौता टेस्ट खेला गया था। मैच के चौथे और आखिरी दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी पारी में 161 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को जीत के लिए महज 75 रन का टारगेट मिला। इसे भारत ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्नेह राणा प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं।

इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलियाई विमेंस टीमों के बीच पांच टेस्ट सीरीज खेली गई थीं, जिसमें तीन ऑस्ट्रेलिया जीता। दो ड्रॉ रहे थे।

पहली पारी में भारत ने 406 रन बनाए थे - ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहली इनिंग में ऑस्ट्रेलिया ने 219 रन बनाए, फिर भारत ने पहली पारी में 406 रन बनाए। इस तरह पहली पारी के आधार पर भारत को 187 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की टीम 261 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह भारत को जीत के लिए 75 रन का टारगेट मिला। इस टारगेट को भारत ने दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

स्नेह राणा ने दोनों पारी मिलाकर 7 विकेट लिए - स्नेह राणा प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। राणा ने दोनों पारियों को मिलाकर 7 विकेट लिए। स्नेह ने पहली पारी में 22.4 ओवर में 56 रन देकर 2.47 की इकोनॉमी रेट से 3 विकेट लिए। जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 22 ओवर में 63 रन देकर 4 विकेट लिए। दूसरी पारी में राजेश्वरी गायकवाड और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2-2 विकेट लिए।

भारतीय टीम की इंग्लैंड पर जीत - इससे पहले, मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 14 से 17 दिसंबर के बीच खेले गए इकलौते टेस्ट मैच में भारतीय विमेंस टीम ने इंग्लैंड को 347 रन से हराया था। महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले श्रीलंका की महिला टीम ने 1998 में पाकिस्तान को 309 रन से हराया था। वहीं, न्यूजीलैंड ने 1972 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 188 रन से जीत हासिल की थी।

पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 219 पर ऑलआउट किया - विमेंस टीम इंडिया ने एकमात्र टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत शुरुआत की है। टीम ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 4 दिन के मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 219 रन पर ऑल आउट कर दिया।

टेस्ट के दूसरे दिन भारत को 157 रन की बढ़त - होम टेस्ट में इंडिया विमेंस टीम का दबदबा ऑस्ट्रेलिया पर भी जारी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत ने पहली पारी में 157 रन की बढ़त बना ली है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दीप्ति शर्मा 70 और पूजा वस्त्राकर 33 रन बनाकर नॉटआउट लौटीं।

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया विमेंस ने बनाई 46 रन की बढ़त - होम टेस्ट में इंडिया विमेंस टीम का दबदबा जारी है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया विमेंस ने दूसरी पारी की शुरुआत की और स्टंप्स तक 46 रन की लीड बनाई है। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खो कर 233 रन बना लिए हैं।

टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार: फैनी

सेंचुरियन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज फैनी डिविलियर्स ने कहा है कि आगामी टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। फैनी के अनुसार भारतीय टीम के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। उसके पास जसप्रीत बुमराह , मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं पर उसे मोहम्मद शमी की कमी खलेगी। शमी चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। भारतीय टीम ने अब तक दक्षिण अफ्रीका दौरे में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसे एकसीरीज में जीत मिली है जबकि टी20 सीरीज ड्रा रही है। अब भारतीय टीम की नजरें आगामी टेस्ट सीरीज पर लगी हुई हैं। भारतीय टीम अब तक दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। पिछली बार भारतीय टीम अफ्रीकी बल्लेबाज डीन एल्गर की साहसिक पारी के कारण जीत हासिल नहीं कर पायी थी। फैनी ने कहा कि भारतीय टीम को शमी की कमी खलेगी पर साथ ही कहा कि रोहित की कप्तानी वाली टीम जीत के प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने बुमराह और सिराज की प्रशंसा की और कहा कि वे तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल हालातों में लेंथ के बजाय लाइन का महत्व अधिक होता है। दोनो ही देशों के बीच टेस्ट सीरीज 26 दिसंबर से शुरू होगी। उन्होंने कहा,''पहली बार मेहमान टीम के पास ऐसे तेज गेंदबाज हैं जो कि केवल लेंथ ही नहीं सही लाइन पर गेंदबाजी कर सकते हैं। इसलिए वह जीत के प्रबल दावेदार हैं। साथ ही कहा कि भारतीय टीम कई वर्षों से दक्षिण अफ्रीका का दौरा करती रही पर पर तब उसके कुछ तेज गेंदबाज ही सही लाइन से गेंदबाजी करते थे पर अब ऐसा नहीं है हालांकि शमी के नहीं खेलने से मैच में फर्क पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज युवा हैं और वह अधिक से अधिक गति से गेंदबाजी करने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। केवल रबाडा ही अच्छी लाइन पर गेंदबाजी कर सकता है। मेरा मानना है कि भारत के पास दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीतने का यह बहुत अच्छा मौका है।

आईपीएल में कोई खिलाड़ी महंगा नहीं बिका : डिविलियर्स

जाहांसबर्ग । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की नीलामी में कई खिलाड़ियों को मोटी रकम मिली है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 20 और 24 करोड़ की राशि मिली है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स का मानना है कि कोई खिलाड़ी ज्यादा महंगा नहीं बिका। डिविलियर्स से जब पूछा गया कि नीलामी में क्या किसी खिलाड़ी को अधिक रकम मिली है तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा नहीं मानता। साथ ही कहा कि पिछली बार सैम कुरैन को जरुरत से ज्यादा रकम मिली थी। तब कुरैन को 18.50 करोड़ में पंजाब किंग्स ने खरीदा था।

डिविलियर्स ने कहा कि मुझे विवाद में नहीं पड़ना पर मेरा मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से कुरैन को अधिक वेतन दिया जा रहा है हालांकि वह कोई खराब खिलाड़ी नहीं है। मैं उसे पसंद करता हूं। विश्व कप में उसका प्रदर्शन शानदार रहा था। लेकिन यह काफी साल पहले की बात है। मुझे नहीं लगता कि उसका हाल ही में प्रदर्शन अच्छा रहा है। इंग्लैंड के लिए भी वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर रहा है।

डिविलियर्स ने यह भी कहा कि पंजाब को 2024 की नीलामी में अधिक खिलाड़ियों को खरीदने के लिए कुरैन को छोड़ देना चाहिए था। वह विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की तरह चीजों को बदल सकता है। कुरेन के खिलाफ कुछ भी नहीं। मुझे अभी भी लगता है कि वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि उसे कुछ वर्षों से अधिक भुगतान किया गया है।

60 साल बाद डेविस-कप खेलने पाकिस्तान जा सकता है भारत: एआईटीए की अपील आईटीएफ ट्रिब्यूनल में नामंजूर; धूपर बोले- एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग में तय करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस टीम 60 साल के बाद पाकिस्तान का दौरा कर सकती है। टीम को डेविस कप के वर्ल्ड ग्रुप-1 के प्लेऑफ मुकाबले खेलने के लिए पाकिस्तान जाना होगा। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन की ट्रिब्यूनल ने अखिल भारतीय टेनिस संघ की वह अपील खारिज कर दी है, जिसमें सुरक्षा का हवाला देकर न्यूट्रल वेन्यू में मैच कराने की मांग की थी।

एआईटीएफ के महासचिव अनिल धूपर ने कहा- हमारी अपील खारिज हुई है, लेकिन अब तक हमें ट्रिब्यूनल का आदेश नहीं मिला है। हम उसी का इंतजार कर रहे हैं। आदेश मिलने के बाद हम 25 दिसंबर को एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग में तय करेंगे कि टीम भेजनी है या नहीं। हम खेल मंत्रालय से अनुमति भी लेंगे। यदि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाती है, तो मेजबान देश को टाई दे दी जाएगी और भारतीय टीम वर्ल्ड ग्रुप-2 में चली जाएगी। यह मुकाबला 3-4 फरवरी के बीच खेला जाना है। आखिरी बार भारतीय डेविस कप टीम ने 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था, जब टीम इंडिया ने मेजबान टीम को 4-0 से हराया था।

धूपर बोले- पाकिस्तान में टेविस कप खेलने में आपत्ति नहीं

एआईटीए के महासचिव ने कहा- हमें पाकिस्तान में डेविस कप के मुकाबले खेलने में ऐतराज नहीं है। खेल मंत्रायल भी इससे नहीं रोकता है। हमारी चिंता सुरक्षा की है। मुझे उम्मीद है कि डेवस कप मैच के लिए मंत्रालय भी इंकार नहीं करेगा। वे द्विपक्षीय सीरीज से परहेज करते हैं।

समित-मुकुंद मुकाबले से हटे

इंडिया के टॉप प्लेयर सुमित नागल और शशिकुमार मुकुंद मुकाबले से हट गए हैं, जहां जीतने वाली टीम 2024 सीजन के बाकी हिस्सों के लिए वर्ल्ड ग्रुप-ड्ढ में अपना रहना तय करेगी। भारतीय टीम में रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, युकी भांबरी, निकी पूनाचा और साकेत मायनेनी को जगह दी गई है। दिग्विजय प्रताप सिंह को एक रिजर्व खिलाड़ी के रूप में नॉमिनेट किया गया है।

2019 में कजाकिस्तान में हुआ था मुकाबला

भारत 2019 में भी पाकिस्तान से पाकिस्तान में भिड़ने के लिए तैयार था, लेकिन एआईटीए की मांग पर आईटीएफ ने मुकाबले को कजाकिस्तान में कराया था। इससे नाराज पाकिस्तान के टॉप प्लेयर भारत के खिलाफ मुकाबले से हट गए थे और पाकिस्तान ने नौसिखिए खिलाड़ियों की टीम उतार दी थी और भारत 4-0 के जोरदार अंतर से विजेता बना।

भारतीय कुश्ती संघ पर निलंबन के बाद बृजभूषण ने कही संन्यास की बात, बोले- लोकसभा चुनाव पर मेरा ध्यान

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय द्वारा भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) पर निलंबन को लेकर पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि वह कुश्ती से संन्यास ले चुके हैं और उनका पूरा ध्यान आगामी लोकसभा चुनाव पर है। पहलवानों ने इस साल जनवरी में बृजभूषण के खिलाफ ही धरना-प्रदर्शन किया था। उसके बाद उन्हें पद से हटना पड़ा था। बृजभूषण सिंह के हटने के बाद चुनाव कराए गए थे। 21 दिसंबर को हुए डब्ल्यूएफआई चुनाव में उनके करीबी संजय सिंह चुनाव जीत गए। इतना ही नहीं अधिकांश पदों पर बृजभूषण के साथी ही चुनकर सामने आए। इसके बाद ओलंपियन साक्षी मलिक ने कुश्ती छोड़ने का एलान कर दिया। वहीं, बजरंग पूनिया ने पद्मश्री लौटा दिया। सरकार ने बढ़ते विवाद के बाद डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया। हालांकि, खेल मंत्रालय ने कहा कि नए अध्यक्ष के द्वारा नियमों की अनदेखी के कारण यह फैसला लिया गया।

बृजभूषण शरण ने क्या-क्या कहा - बृजभूषण ने कहा, संजय सिंह मेरे रिश्तेदार नहीं हैं। आनन-फानन में पुरानी समिति को एक निर्णय लेना पड़ा। अंडर-15 और 20 को लेकर, क्योंकि 31 दिसंबर को यह सत्र समाप्त हो जाएगा। उसके बाद यह टूर्नामेंट होता है तो उनका एक साल खराब हो जाएगा। इसी कारण सभी फेडरेशन ने मिलकर यह निर्णय लिया कि किसी तरह से खेल का एक वातावरण शुरू हो। नंदिनी नगर में इसलिए रखा गया क्योंकि हर फेडरेशन के लोगों ने हाथ खड़ा कर दिया कि चार-पांच दिनों के अंदर हम कोई व्यवस्थान नहीं कर सकते हैं। उस बैठक में मेरी विदाई का कार्यक्रम भी रखा था। उसमें सबको दो-चार शब्द बोलना पड़ता है। इस नाते मैं वहां गया था। 15 और 20 साल के बच्चों का साल खराब नहीं हो, इस कारण नंदिनी नगर में टूर्नामेंट रखा गया। यह फैसला आम सहमति से लिया गया था। सभी 25 फेडरेशन ने अपनी लिखित और मौखिक सहमति दी थी। बृजभूषण ने आगे कहा, मैंने 12 साल तक कुश्ती के लिए काम किया। अच्छा किया या गलत किया, इसका मूल्यांकन समय करेगा। एक तरह से कुश्ती खेल से मैं संन्यास ले चुका हूं। कुश्ती खेल से मैं नाता तोड़ चुका हूं। अब जो भी फैसला लेना है, सरकार से बात करना है या कानूनी प्रकिया अपनानी है, इस पर चुने गए फेडरेशन के लोग फैसला करेंगे। मैंने कुश्ती से संन्यास ले लिया है। मेरा लोकसभा का चुनाव आ रहा है। और भी मेरे पास बहुत काम है। अब जो भी काम है इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है।लोकतांत्रिक तरीके से सरकार की इच्छा पर और सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चुनाव संपन्न हुआ। सभी सदस्य चुने जा चुके हैं। अब उन्हें सरकार से बात करना है या उन्हें कानूनी सलाह लेनी है, यह मेरा काम नहीं है। मेरे पास बहुत काम है।

नवनिर्वाचित निकाय द्वारा पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त नोटिस दिए बिना अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जल्दबाजी में की गई घोषणा के बाद खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया।

कुश्ती संघ के निलंबित होने के बाद साक्षी मलिक का बयान

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती संघ के विवाद में अब सरकार ने हस्तक्षेप किया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है। संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह ने जो फैसले लिए थे, उन्हें भी रद्द कर दिया है। संजय कुमार सिंह को जिस दिन अध्यक्ष चुना गया था उसी दिन उन्होंने घोषणा की थी कि कुश्ती के लिए अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय मुकाबले नंदिनी नगर, गोंडा (यूपी) में होंगे। खेल मंत्रालय के निलंबन पर पहलवान साक्षी मलिक की प्रतिक्रिया भी आ गई है। साक्षी ने कहा कि यह फैसला पहलवानों के हित में है। हम पहले ही कहते रहे हैं कि यह बेटियों और बहनों की लड़ाई है। यह पहला कदम है। अपने संन्यास से वापसी पर उन्होंने कहा कि नए कुश्ती संघ के आने के बाद वह इस बारे में फैसला करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि अब तक लिखित रूप में यह साफ नहीं हुआ है कि कुश्ती संघ को निलंबित किया गया है या सिर्फ संजय सिंह को हटाया गया है। यह साफ होने के बाद ही वह कुछ कहेंगी। उन्होंने आगे कहा कि वह संन्यास का एलान कर चुकी हैं और युवा पहलवानों के लिए न्याय चाहती हैं। भविष्य में स्थिति साफ होने पर वह अपने संन्यास से वापसी के फैसले पर विचार करेंगी। पद्म श्री पुरस्कार लौटाने वाले बजरंग पूनिया ने सरकार के फैसले को सही ठहराया है और कहा है कि वह अपना सम्मान वापस ग्रहण करेंगे। वहीं, विनेश ने भी कहा है कि उनकी लड़ाई सरकार के खिलाफ नहीं थी। यह फैसला खिलाड़ियों के हित में है। बृजभूषण सिंह ने इस मामले पर कहा है कि वह कुश्ती से दूरी बना चुके हैं और उनका पूरा ध्यान लोकसभा चुनावों पर है। बृजभूषण ने कहा, संजय सिंह मेरे रिश्तेदार नहीं हैं। 15 और 20 साल के बच्चों का साल खराब नहीं हो, इस कारण नंदिनी नगर में टूर्नामेंट रखा गया।

बच्चों के साथ जरूर बिताएं समय

आज के भागम भाग वाले दौर में यह संभव नहीं रह गया है कि आप अपने बच्चों को वांटिटी टाइम दें, लेकिन यह बहुत जरूरी है कि आप दोनों अपने बच्चों को वालिटी टाइम जरूर दें। भले ही आप अपने बच्चों को चौबीस घंटे में से केवल पंद्रह मिनट ही दें, लेकिन उन पंद्रह मिनट में आ उनके अपने बच्चे को समझे की कोशिश करें और उन्हें अच्छे विचार और संस्कार दें। इससे आपके द्वारा दिया गया थोड़ा समय भी सार्थक काम करेगा। यह तो आपको भी पता ही होगा कि बच्चों की अच्छी परवरिश में वालिटी टाइम कितना महत्व रखता है। आइए जानतें है कि बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। बजस तरह से बच्चों का उम्र बढ़ती जाती है, उनके लाइफस्टाइल और पसंद में भी बदलाव आने लगता है। यह जरूरी नहीं कि जो बच्चा पहले पसंद करता है अब भी वह वहीं चीजें खाएगा ऐसा असर टीनएजर की उम्र में होता है। बच्चे चाहे कितने भी बड़े यों न हो जाए मां-बाप के लिए वह हमेशा बच्चे ही रहते थे लेकिन परेशानी तब बढ़ जाती है जब बच्चों को किसी के सामने डांटा जाए। हो सकता है इससे आपके और बच्चे के बीच दूरियां भी बढ़नी शुरू हो सकती है। बच्चों के साथ प्यार बनाएं रखना चाहते हैं तो उनके साथ हर स्थिति में सूझ-बूझ के साथ पेश आना जरूरी है।

बनें दोस्त

बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों और माता-पिता के बीच अनुशासन के लिहाज से थोड़ी दूरी होनी भी जरूरी है, लेकिन यह दूरी इतनी भी न हो कि बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद ही स्थापित न हो। अगर आप अपने बच्चों को सही दिशा देना चाहती हैं तो किसी बात को लेकर उन्हें समझाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उनसे संवाद स्थापित करना। बच्चों से आपका सही संवाद तभी होगा, जब उनके प्रति आपका रवैया मित्रवत होगा।

समझें मनोभावों को

निगरानी बच्चे के जरूरी है बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वे छोटी-छोटी बातों या गलतियों पर बच्चों को डांटने-फटकारने लगते हैं या उन्हें उपदेश देने लगते हैं। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों को डांटने और उपदेश देने की बजाय उनकी जरूरतों, भावनाओं और समस्याओं को समझने की कोशिश करें। हो सकता है कि आपके मन में यह याल आए कि बच्चों को या समस्या हो सकती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपकी नजर में जो बातें छोटी-छोटी हैं, हो सकता है कि बच्चों की नजर में वे काफी बड़ी नजर आती हों। अपनी समस्याओं का निदान जब बच्चे अपने माता-पिता से नहीं पाते हैं तो उनके भटकने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

कारण जानने का प्रयास

बच्चों से अगर कोई भूल या गलती हुई है तो पहले उसका कारण जानने की कोशिश करें कि वह गलती उन्होंने जान-बूझकर की है या भूलवश हो गई है। अगर भूल से उनसे कोई गलती हुई है तो उसे अपने पास बिठाकर प्यार से समझाएं। हां, यदि उन्होंने जान-बूझकर गलती की है तो उन्हें हिदायत दे सकती हैं कि ऐसी गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अपने बच्चों से संबंध इतने सहज होने चाहिए कि वे गलती करने पर भी अपनी बातें आपसे शेयर कर सकें। अगर आप बच्चों की हर बात से वाकिफ रहेंगी तो उसे समय पर सही राय दे सकती हैं। इससे वे अपने में सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

जरूरी है निगरानी

बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि चाहे आप दोनों कामकाजी हों या दोनों लोग ही बहुत व्यस्त रहते हों तो भी यह बात बहुत महत्व रखती है कि बच्चों को अपनी निगरानी में रखें। यह कहना कि आप दोनों के पास समय नहीं है या हम असर घर से बाहर रहते हैं तो यह सोच सही नहीं है। चाहे आप घर में हों या बाहर, बच्चों के संपर्क में रहकर आप उनकी सभी बातों से वाकिफ हो सकते हैं। खुद चलें सही राह हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनके बच्चे सही राह पर ही चलें। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे सही राह पर चलें तो सबसे पहले अपने जीवन से आपको क्रोध को बाहर निकालना होगा। जब तक बहुत जरूरी न हो बच्चों के सामने क्रोध न करें। हमेशा अपने से बड़ों का समान करें, छोटों को स्नेह दें और अपने मित्रों से मर्यादा में रहकर बातचीत करें। याद रखिए बच्चे वैसी ही हरकतें और बातें करते हैं, जैसी वे अपने से बड़ों को घर में करते हुए देखते हैं। बच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाजबच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाज

अकेले में करें बात

किसी मेहमान के सामने बच्चा अगर कोई गलती कर देता है या फिर कोई ऐसी बात कह देता है जो आपको पसंद नहीं है तो डांटने की गलती न करें। इस समय दी गई आपकी प्रतिक्रिया उस पर गलत प्रभाव डाल सकती है। बच्चे के साथ अकेले में बात करें और समझाएं कि या सही है और या नहीं। प्यार से की गई आपकी बात को वह जरूर समझेगा।

एक दम से न करें रिएट

बच्चे के गलती करने पर कुछ मां-बाप मारपीट शुरू कर देते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि वह नहीं जानते कि या सही है और या गलत। धैर्य से काम लें समझने की कोशिश करें कि वह कहीं किसी बात से परेशान होकर तो ऐसा नहीं कर रहा।

निगरानी बच्चे के जरूरी है

बात को समझें बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है तो इस बात की वजह को जानने की पूरी कोशिश करें। हो सकता है कि बच्चे को आपके साथ की जरूरत हो। समय के साथ समाज की सोच में भी तेज़ी से बदलाव आ रहा है। पुराने समय में किचन को पुरुषों के लिए नो एंट्री ज़ोन माना जाता था पर अब ऐसा नहीं है। आज की ममी अगर कार ड्राइव करके ऑफिस जाती हैं तो पापा भी किचन में बच्चों के लिए नाश्ता बना सकते हैं।

ऐसे सहज माहौल में पलने वाले बच्चों के मन में कार्यों को लेकर कोई जेंडर रोल निर्धारित नहीं होता। इसी वजह से आज की लड़कियां भी स्केटिंग फुटबॉल जैसे आउटडोर गेस में न केवल बड़े उत्साह से शामिल होती हैं बल्कि रेसलिंग, और जूडो-कराटे जैसे मैस्कुलिन समझे जाने वाले स्पोर्ट्स के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वहीं लड़के भी कुकिंग की फील्ड में कामयाबी की नई इबारत लिख रहे हैं। इसीलिए बच्चों के खेल से जुड़ी स्टीरियोटाइप सीमाएं भी अब टूटने लगी हैं और हमें इस बदलाव को सहजता से स्वीकारना चाहिए।

बनें रोल मॉडल

अपने माता-पिता बनें रोल मॉडलअपने माता-पिता को देखकर ही बच्चों के मन में आदर्श पुरुष या स्त्री की छवि तैयार होती है। इसलिए अगर पेरेंट्स के आपसी रिश्ते में मधुरता होगी और वे दोनों एक-दूसरे के प्रति केयरिंग होंगे तो इससे बच्चे के मन में अपने आप यह धारणा विकसित होगी कि बेटों/बेटियों दोनों ही अच्छे होते हैं। यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि जिन परिवारों में भाई-बहन दोनों होते हैं, वहां के बच्चों के लिए दूसरे जेंडर की भावना को समझना और उनके साथ सामंजस्य बिठाना आसान हो जाता है। लेकिन जहां केवल लड़के या लड़कियां हों, वहां माता-पिता की ज़िमेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में उन्हें अपने टीनएजर बेटों/बेटियों को समझाना चाहिए कि अपोज़िट जेंडर के साथ अपने व्यवहार में वे शालीनता बरतें।

घर पर कैसे उगाएं तीखी हरी मिर्च

हरी मिर्च, इसका इस्तेमाल डेली रूटीन लाइफ में खाना बनाने के लिए किया जाता है। वैसे तो हरी मिर्च आपको बाजार से भी मिल जाएंगी लेकिन अगर आप चाहो तो इसे अपने घर में भी उगा सकते हैं। जी हां, बिल्कुल इसे उगाने की सबसे खास बात तो यह है कि आप इसे किसी भी गमले या फिर कंटेनर में उगा सकते हैं। इसके लिए आपको किसी बड़े से बगीचे की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप घर में ही ताजी और तीखी हरी मिर्च उगा सकते हैं।

1. गमला : अगर आपके पास हरी मिर्च की खेती करने के लिए बगीचा नहीं है तो ऐसे में आप कोई भी कंटेनर या गमला लें लें और उस गमलें में मिट्टी की जगह आर्गेनिक कमपोस्ट का इस्तेमाल करें।

2. पानी : पौधे को नियमित रूप से पानी देते रहे। लेकिन इस बात का भी खास ध्यान रखें ज्यादा पानी देना भी पौधे को नुकसान पहुंचा सकता है।

3. सूरज की रोशनी : हरी मिर्च का पौधा लगाने के बाद इसे ऐसी जगह रखें जहां सूरज की रोशनी अच्छी आती हो ताकि पौधे का विकास अच्छे से हो सके।

4. बस, कुछ ही दिनों में आपके पौधे में हरी मिर्च उगती नजर आएगी।

जरूरी बात : हरी मिर्च उगाने के दौरान आपको बीमारी से छुटकारा पाने के लिए किसी तरह के फर्टिलाइजर की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि हरी मिर्च के अंदर ऐसे रसायन मौजूद होते हैं जो बीमारियों को दूर रखने में मदद करते हैं।

बच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाज

जिस तरह से बच्चों का उम्र बढ़ती जाती है, उनके लाइफस्टाइल और पसंद में भी बदलाव आने लगता है। यह जरूरी नहीं कि जो बच्चा पहले पसंद करता है अब भी वह वहीं चीजें खाएगा ऐसा अक्सर टीनएजर की उम्र में होता है।

बच्चे चाहे कितने भी बड़े क्यों न हो जाए मां-बाप के लिए वह हमेशा बच्चे ही रहते थे लेकिन परेशानी तब बढ़ जाती है जब बच्चों को किसी के सामने डांटा जाए। हो सकता है इससे आपके और बच्चे के बीच दूरियां भी बढ़नी शुरू हो सकती है। बच्चों के साथ प्यार बनाएं रखना चाहते हैं तो उनके साथ हर स्थिति में सूझ-बूझ के साथ पेश आना जरूरी है।

अकेले में करें बात

किसी मेहमान के सामने बच्चा अगर कोई गलती कर देता है या फिर कोई ऐसी बात कह देता है जो आपको पसंद नहीं है तो डांटने की गलती न करें। इस समय दी गई आपकी प्रतिक्रिया उस पर गलत प्रभाव डाल सकती है। बच्चे के साथ अकेले में बात करें और समझाएं कि क्या सही है और क्या नहीं। प्यार से की गई आपकी बात को वह जरूर समझेगा।

एक दम से न करें रिएक्ट

बच्चे के गलती करने पर कुछ मां-बाप मारपीट शुरू कर देते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि वह नहीं जानते कि क्या सही है और क्या गलत। धैर्य से काम लें समझने की कोशिश करें कि वह कहीं किसी बात से परेशान होकर तो ऐसा नहीं कर रहा।

बात को समझें

बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है तो इस बात की वजह को जानने की पूरी कोशिश करें। हो सकता है कि बच्चे को आपके साथ की जरूरत हो।

पढ़ने में कमजोर है बच्चा तो उन्हें रोजाना खिलाएं ये फूड्स

सेहत के साथ तेज दिमाग भी काफी मायने रखता है। सभी पेरेंट्स का सपना होता है कि उनका बच्चा स्वस्थ और होशियार हो। कुछ बच्चों का दिमाग तेज होता है और कुछ दिमाग से काफी कमजोर होते है, जिस वजह से वह अक्सर पढ़ाई-लिखाई के मामले में पीछे रह जाते है। अगर आप भी अपने बच्चे के दिमाग को तेज रखना चाहते है तो उसकी डाइट पर अधिक ध्यान दें। उन्हें ऐसी चीजों का सेवन करवाएं, जो दिमाग के लिए काफी फायदेमंद साबित होती है। आज हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताएंगे, जो बच्चों की याददाश्त बढ़ाने में काफी मददगार है।

1. सेब

सेब टेस्टी होने के साथ- साथ सेहत को भी ठीक रखता है। इसमें कई पोषक तत्व, विटामिन और खनिज होते हैं जो हमें बीमारियों से बचाते हैं। रोजना सुबह खाली पेट सेब खाने से मस्तिष्क की कोशिकाएं ठीक ढंग से कार्य करती हैं, जिससे सोचने-समझने की शक्ति तेज होती है।

2.सोयाबीन

सोयाबीन में फायटोस्ट्रोजन नामक हार्मोन और विटामिन क्र होता है। सोयाबीन से बने पकवान खाने से याददाश्त बढ़ती है और दिमागी कमजोरी दूर होती है। हफ्ते में 2-3 बार सोयाबीन का सेवन करना चाहिए।

3. बादाम

बादाम में तांबा, विटामिन बी, कैल्शियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, लोहा जैसे कई पोषक तत्व होते हैं जो कि बच्चों और बूढ़ों दोनों के लिए फायदेमंद है। रात को 5 बादाम पानी में भिगो दें। सुबह छिलका उतारकर पेस्ट बनाएं और फिर शहद वाले दूध में डालकर पी लें।

4.पालक

पालक शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने के साथ याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार होती है। इसमें मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटामिन बी, ई और कई पोषक तत्व होते हैं जो दिमाग को तेज बनाते है और हमे कभी बीमार नहीं होने देते।

5.गाजर और पत्ता गोभी

गाजर और पत्ता गोभी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करे।सलाद में गाजर और पत्ता गोभी का अधिक इस्तेमाल करें। सलाद में हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च और नींबू रस मिलाएं और खाएं।

सर्दियों में नवजात को स्किन ड्राईनेस से बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों के मौसम में नवजात शिशु के गालों, लिप्स और नाक के आस-पास का हिस्सा ड्राई हो जाता है। शिशु की स्किन का ध्यान न रखने पर त्वचा ड्राई होकर फटने लग जाती है। इसलिए सर्दी के मौसम में बड़ों के साथ-साथ बच्चों की स्किन को भी खास केयर की जरूरत होती है।

आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह सर्दियों में आप नवजात की त्वचा को फटने से बचा सकती है। इन घरेलू तरीकों से आप शिशु की त्वचा को बिना किसी नुकसान के ड्राई होने से बचा सकते है।

1. कच्चा दूध

शिशु की स्किन को रूखेपन से बचाने के लिए कॉटन की मदद से कच्चे दूध को उनकी त्वचा पर लगाएं। इससे शिशु की स्किन कोमल होगी और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

2. धूप में टहलाना

बच्चों को सारा दिन कमरे में रखने की बजाए भूप में जरूर टहलाएं। इसके अलावा धूप में शिशु की मालिश करने से उसके शरीर अंदर से गर्म रहता है और स्किन में रूखेपन की समस्या भी नहीं होती।

3. बादाम या नारियल का तेल

रात को सोने से पहले शिशु की स्किन पर बादाम, जैतून या नारियल का तेल लगा दें। इससे शिशु की स्किन कोमल और सॉफ्ट हो जाएगी। इसके अलावा इससे मालिश से मांशपेशियां मजबूत होती हैं।

4. अधिक कपड़े पहनाना

शिशु को जरूरत से ज्यादा कपड़े पहना देने के कारण भी उसकी स्किन में रूखापन आ जाता है। शिशु को ज्यादा और ऊन वाले कपड़े पहनाने से त्वचा संक्रमित हो सकती है। इसलिए उन्हें कॉटन के कपड़े ही पहनाएं।

5. घी

शिशु की स्किन ड्राई होने पर उसके गाल और नाक के आस-पास घी लगा दें। इससे 2 दिन में ही स्किन का रूखापन दूर हो जाएगी।

6. बेसन और दूध

हफ्ते में 1 बार शिशु को बेसन और दूध से नहलाने पर भी उसकी स्किन ड्राई नहीं होगी। इससे उसकी त्वचा खिली-खिली रहने के साथ-साथ सॉफ्ट भी होगी।

रेसिपी

होट पौकेट

सामग्री

2 कप आलू (उबले हुए), 2 प्याज (बारीक कटे हुए), 3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 1/4 कप धनिया (बारीक कटा हुआ), 1/2 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच गरम मसाला, 2 कप मैदा, 2 चम्मच मक्खन, नमक स्वादानुसार, तेल आवश्यकतानुसार।

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, नमक और मक्खन डालें। उसके बाद इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाकर इसे नरम आटे की गूंथ लें। अब एक दूसरे कटोरे में आलू, नमक, प्याज, हरी मिर्च, अदरक लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाऊर, हल्दी, गरम मसाला और धनिया डाल कर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद गूंथे हुए आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। फिर लोई को आयत आकार में बेल लें। अब एक चपाती में आलू मिश्रण थोड़ा रखें, फिर दूसरे चपाती को उसके ऊपर रखें और चपाती के किनारो को फॉक स्पून से दबा दें। इसके बाद कड़ाई में तेल गर्म करें। फिर उसमें तैयार किया हुआ पॉकेट को डालकर डीप फाई करें। आपके होट पौकेट तैयार है।

वेजिटेबल दलिया

सामग्री

तेल: 1 बड़ा चम्मच , जीरा: 1/2 छोटा चम्मच
अदरक: 1/2 बड़ा चम्मच, प्याज: 60 ग्राम
आलू: 130 ग्राम , गाजर: 75 ग्राम, मटर: 45 ग्राम , हल्दी: 1/2 छोटा चम्मच, धोई हुई मूंग दाल: 2 बड़े चम्मच धोया हुआ दलिया: 165 ग्राम,गर्म मसाला: 1/2 छोटा चम्मच , नमक: 1 छोटा चम्मच,लाल मिर्च: 1/4 छोटा चम्मच,पानी: 440 मिलीलीटर,
धनिया: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 बड़ा चम्मच अदरक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद इसमें 60 ग्राम प्याज डालकर भून लें। फिर इसमें 130 ग्राम आलू, 75 ग्राम गाजर, 45 ग्राम मटर डालकर 5-7 मिनट तक पकाएं। पकने के बाद इसमें 1/2 छाटो चम्मच हल्दी मिला दें। अब इसमें 2 बड़े चम्मच धोई हुई मूंग दाल और 165 ग्राम धोया हुआ दलिया डालकर मिलाएं। बाद में इसमें 1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला, 1 छोटा चम्मच नमक, 1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च डालकर 2 मिनट तक पकाएं। इस मिश्रण में 440 मिलीलीटर पानी डालें और इसे ढक्कन के साथ कवर करके 10 से 15 मिनट तक पकाएं या जब तक पानी अच्छे से सूख न जाए। आपका वेजिटेबल दलिया तैयार है। इसे धनिये के साथ गार्निश करके सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)